दैनिक

भारत देश हमारा

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी

सम्पादक: अमृतपाल सिंह

DAILY BHARAT DESH HAMARA NEW DELHI

आरएनआई नं. 57282/1994 वर्ष 31 अंक 69 नई दिल्ली वीरवार 12 मार्च, 2026 मूल्य एक रुपया कुल पृष्ठ: 8 फोन 97111 01161 ईमेल : bharatdeshdelhi@gmail.com

नौसेना का लांस नायक गिरफ्तार

लखनऊ 11 मार्च (निस) पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने वाले भारतीय नौसेना के लांस नायक आदर्श कुमार उर्फ लकी को यूपी पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने आगरा से गिरफ्तार कर लिया। एटीएस ने उसे राजधानी लखनऊ लाने के बाद गहन पूछताछ की।

राहुल कल लखनऊ आएंगे

लखनऊ 11 मार्च (निस) कांग्रेस 13 मार्च को कांशीराम जयंती पर राजधानी में कार्यक्रम आयोजित कर रही है। सामाजिक परिवर्तन दिवस के रूप में आयोजित कार्यक्रम में राहुल गांधी शामिल होंगे। पार्टी ने कहा है कि करोड़ों खर्च कर उनकी छवि को भाजपा ने खराब करने का प्रयास किया किंतु उन्होंने जो बात कही वो सब सही साबित हुई।

विपक्ष का स्पीकर ओम बिरला को हटाने का प्रस्ताव खारिज, लोस में ध्वनिमत से फैसला

पीएम समझौतावादी हमें बोलने से रोका गया-राहुल गांधी, अविश्वास प्रस्ताव पर जोरदार बहस

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष की तरफ से लाया गया अविश्वास प्रस्ताव अस्वीकृत हो गया है। इस दौरान विपक्ष की तरफ से जोरदार हंगामा किया गया, वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने इससे पहले विपक्ष पर करारा हमला भी बोला। पीठासीन अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने अविश्वास प्रस्ताव के खारिज होने का फैसला सुनाया। लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी और विपक्ष पर कई आरोप लगाए। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि हम जब भी बोलने को होते हैं हमे रोका-टोका जाता है। उन्होंने कहा कि यह

चर्चा लोकतंत्र और स्पीकर की भूमिका पर है। कई मौकों पर मेरा नाम लिया गया। हर समय हमें बोलने से रोका गया। राहुल ने कहा कि आखिरी बार बोलते हुए मैंने प्रधानमंत्री की ओर से कॉम्प्रोमाइज का मुद्दा उठाया था। सदन देश का प्रतिनिधित्व करता है। पहली बार विपक्ष के नेता को नहीं बोलने दिया गया। पीएम कॉम्प्रोमाइज्ड हैं। राहुल के इतना बोलने पर रविशंकर प्रसाद ने कहा- नेवर...नेवर। पीएम मोदी का भारत कभी कॉम्प्रोमाइज्ड नहीं होगा। इनको बेसिक समझदारी भी नहीं है। स्पीकर ने कई बार चेयर घेरी गई, कागज फेंके गए, लेकिन वह मुस्कराते रहे। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना अफसोसजनक, क्योंकि स्पीकर किसी एक दल के नहीं है, वे सभी के हैं। स्पीकर को नियमों के उल्लंघन पर रोकने और टोकने का अधिकार है।चर्चा के दौरान अनुराग ठाकुर ने कहा कि ये कौन लोग हैं जो राम को काल्पिनक बताते हैं। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने पर भारतीय टीम के लिए मेज तक नहीं बजा सके हैं। राहुल को लगता है कि पीएम का पद तो उनके लिए ही है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि देश माओवादतंत्र से नहीं लोकतंत्र से चलता है। हमारे सदस्य को संसद के बाहर गद्दार कहा गया था। हम तो आफगानिस्तान से अपने लोगों को वापस लाए। इन लोगों ने सिखों के गले कटवाए। सरेंडर आप लोगों ने किया था चीन को 38 हजार स्क्वयार मीटर जमीन देकर। हमने तो अपने सेना को खुली छूट दी। अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी टुकड़े टुकड़े गैंग के साथ जाकर खड़े हो गए थे। वोटी-वोटी नोचने वाला बयान इनके नेता ने दिया। राहुल गांधी प्रस्ताव पर साइन **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

यूडीएफ ने केरल के विकास के लिए मेहनत नहीं की बदलाव के साथ तीव्र विकास करेगी भाजपा-पीएम

कोच्चि, 11 मार्च (निस) भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को केरलम (केरल) दौरे पर हैं। उन्होंने एर्नाकुलम के कोच्चि में 10,800 करोड़ की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इसके बाद एनडीए की एक चुनावी सभा को संबोधित कर लोकसभा सांसद राहुल गांधी की खूब आलोचना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिना नाम लिए तंज कंसते हुए कहा कि कांग्रेस के युवराज को यह नहीं पता कि भारत के युवा आज ड्रोन मैन्युफैक्करिंग में कमाल कर रहे हैं। उन्हें इतना भी नहीं पता कि केरल के युवाओं ने ड्रोन विकसित करने के लिए स्टार्टअप शुरू कर दिए हैं। जो व्यक्ति अपने छोटे दायरे में सिमटा हो, उस छोटी सोच के शख्स को देश का विकास कभी नहीं दिखेगा। इसके पहले पीएम मोदी अखिल केरल धीवर सभा के गोल्डन जुबली समारोह में शामिल हुए। यहां उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह मलयाली लोगों के लिए खुशी का पल है। उनके चेहरे पर खुशी साफ दिख रही है। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कोच्चि में रोड शो किया। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू इंटरनेशनल स्टेडियम में आयोजित करीब 300 मीटर लंबे रोड शो के दौरान कार की सनरूफ से लोगों का अभिवादन किया। जनसभा को संबोधित कर पीएम मोदी ने कहा कि केरलम के पास नेचर, कल्चर, टैलेंट, टेक्नोलॉजी और विशाल सागर का आशीर्वाद है। इसके बावजूद केरलम का विकास उस गति से नहीं हुआ जैसा होना चाहिए था। एलडीएफ और यूडीएफ की सरकार ने विकास के लिए मेहनत नहीं की। तेज विकास के लिए इस खतरनाक पैटर्न को तोड़ना जरूरी है।इस बार यहां बीजेपी-एनडीए सरकार बनाइए। आप लोगों ने कांग्रेस और लेफ्ट को 70 साल से ज्यादा दिए हैं। अब बीजेपी-एनडीए को अगले 5 साल सेवा करने का मौका दीजिए। आपको विकसित केरलम की शानदार झलक देखने मिलेगी। ये मोदी की गारंटी है। जो अब तक नहीं बदला, अब बदलेगा। विकसित केरलम के लिए सबसे बड़ी जरूरत टूरिज्म, टैलेंट और टेक्नोलोजी को नए मौके देना है। कांग्रेस को केरल के युवाओं के सामर्थ्य पर भरोसा ही नहीं है। कांग्रेस के युवराज को ये भी नहीं पता कि भारत के युवा आज ड्रोन मैन्युफैक्करिंग में कितन कमाल कर रहे हैं। एक ओर बीजेपी-एनडीए देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस और वामपंथी **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

नौशेरा सेक्टर में एलओसी के पास घुसपैठ की कोशिश में आतंकी ढेर

श्रीनगर, 11 मार्च (निस) जम्मू-कश्मीर के नौशेरा सेक्टर में एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश के दौरान एक आतंकवादी को सेना ने मार गिराया। सेना ने बताया कि 10 मार्च 2026 को दोपहर करीब 3 बजे लाइन ऑफ कंट्रोल पर दो आतंकवादियों की हरकत का पता चला था। इसके बाद सैनिकों ने तेजी से काम किया, और घुसपैठ की कोशिश को सफलतापूर्वक नाकाम किया। वहीं दूसरे आतंकवादी की तलाश जारी है। सेना के मुताबिक जमीन और हवाई निगरानी की मदद ली जा रही है। बीते 5 दिनों में राजौरी इलाके में सिक्योरिटी फोर्स ने दूसरी बार घुसपैठ की कोशिश नाकाम की है। इससे पहले 23 फरवरी को सेना की व्हाइट नाइट कोर ने 7 आतंकियों की फोटो पोस्ट कर लिखा था कि 326 दिन के बाद किश्तवाड़ से आतंक के नेटवर्क का खात्मा किया गया है। पोस्ट में बताया गया था कि इन आतंकियों में जैश का कमांडर सैफुल्लाह भी मारा गया है। सैफुल्लाह किश्तवाड़ में आतंक का सरगना था। व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि किश्तवाड़ में उनके अलावा जम्मू कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ सहित सेना की इंटेलीजेंस एजेंसी भी शामिल रहीं।

ओडिशा में 10 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

कंधमाल, 11 मार्च (निस) ओडिशा के कंधमाल जिले के फूलबनी में बुधवार को 10 नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

सरकार के भरोसे के बावजूद देश में एलपीजी को लेकर पैनिक, पर्यटक स्थलों पर भारी असर, कई जगह मारामारी

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) पश्चिम एशिया में ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच जारी भीषण सैन्य संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को बुरी तरह बाधित कर दिया है। इस युद्ध की तपिश अब भारतीय रसोई और बाजारों तक पहुंच गई है, जिसके कारण देश के कई राज्यों में एलपीजी की आपूर्ति को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा के पर्यटन केंद्रों तथा औद्योगिक क्षेत्रों में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की भारी किल्लत हो गई है। स्थिति इतनी गंभीर है कि होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे और कैटरिंग

व्यवसाय ठप होने की कगार पर पहुंच गए हैं। इस संकट का मुख्य कारण समुद्री यातायात में आई बाधा है। भारत अपनी गैस जरूरतों (एलएनजी और एलपीजी) के लिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज मार्ग पर अत्यधिक निर्भर है, जो वर्तमान में युद्ध के कारण असुरक्षित हो गया है। आपूर्ति कम होने के चलते केंद्र सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देते हुए रसोई गैस, सीएनजी और पीएनजी की आपूर्ति सुरक्षित रखने का फैसला किया है। सरकार के इस कदम से घरेलू मोर्चे पर तो राहत मिली है, लेकिन बाजार मूल्य पर मिलने वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों का कोटा लगभग समाप्त हो गया है।हिमाचल होटल्स एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन का कहना है कि इस विषय पर केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री को पत्र लिखकर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि हॉस्पिटैलिटी सेक्टर, जो राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, वर्तमान में गहरे संकट में है। शिमला और अंबाला जैसे शहरों में गैस एजेंसियों ने कमर्शियल सिलेंडरों की बुकिंग और सप्लाई पूरी तरह बंद कर दी है क्योंकि बॉटलिंग प्लांटों से रिफिल्ड सिलेंडर नहीं आ रहे हैं। छोटे और मध्यम दर्जे के होटल और ढाबे सबसे अधिक प्रभावित हैं, क्योंकि उनके पास ऊर्जा का कोई वैकल्पिक स्रोत उपलब्ध नहीं है। पंजाब और हरियाणा में भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

यूसीसी लागू करने का समय आ गया, संसद कानून बना सकती है-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का समय आ चुका है। इस पर फैसला करना सुप्रीम कोर्ट के बजाय संसद का काम है। सुप्रीम कोर्ट शरियत कानून 1937 की कुछ धाराओं को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था। इन धाराओं से मुस्लिम महिलाओं के साथ भेदभाव का आरोप था।सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि शरियत कानून की धाराएं रद्द कर दी गईं, तब

मुस्लिम समुदाय में संपत्ति के बंटवारे को लेकर कोई स्पष्ट कानून नहीं बचेगा। इससे कानूनी खालीपन पैदा हो सकता है।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले भी कई बार केंद्र सरकार से समान नागरिक संहिता लागू करने को कह चुका है। अलग-अलग समुदायों के लिए अलग नियम हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम सीधे किसी कानून को असंवैधानिक घोषित कर दें। वहीं सुनवाई के दौरान जस्टिस बागची ने कहा कि याचिका में भेदभाव का मुद्दा मजबूत है, लेकिन यह बेहतर होगा कि इस मामले को संसद (विधायिका) पर छोड़ दिया जाए, क्योंकि वही समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बना सकती है।

तेल संकट को लेकर भारत ने ईरान से कहा-कूटनीति से निकालें समाधान

नई दिल्ली 11 मार्च (निस): पश्चिम एशिया में जारी भीषण सैन्य संघर्ष और ईरान-अमेरिका-इजरायल के बीच बढ़ते तनाव के बीच

भारत ने कूटनीतिक सक्रियता तेज कर दी है। इसी क्रम में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से टेलीफोन पर विस्तृत बातचीत की। यह वार्ता ऐसे समय में हुई है जब क्षेत्र में युद्ध की स्थिति बनी हुई है और वैश्विक व्यापारिक मार्ग खतरे में हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए संयुक्त सैन्य हमलों के बाद डॉ. जयशंकर और अराघची के बीच यह तीसरी महत्वपूर्ण बातचीत थी। यह वार्ता ईरान के नए सर्वोच्च नेता के रूप में मोजतबा खामेनेई की नियुक्ति के बाद पहली बार हुई है।

देश में रसोई गैस के कथित संकट पर संसद में बयान दें प्रधानमंत्री मोदी-खड़गे ने की मांग

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली मोदी सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि युद्ध और देश में रसोई गैस के कथित संकट को लेकर संसद में चर्चा होना चाहिए और प्रधानमंत्री मोदी सदन में इस पर जवाब दें। उन्होंने कहा कि देश को सच जानने का अधिकार है। कांग्रेस अध्यक्ष ने पोस्ट किया, ''मोदी सरकार के नकली सूत्र आधारित आश्वासन उसकी पूर्ण अक्षमता को दिखाते हैं। पश्चिम एशिया में आसन्न युद्ध के बारे

में पूर्वानुमान था। फिर भी मोदी सरकार ने भारत की ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित करने के लिए कुछ नहीं किया। अब संकट गहराता जा रहा है और आम लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।''उन्होंने दावा किया कि ईंधन की कमी से कृषि और उर्वरक आपूर्ति प्रभावित होने से सबसे पहले किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है, रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर का सीमित वितरण, गैस भरवाने के लिए लंबी कतारें, वाणिज्यिक सिलेंडर की भारी कमी और घरेलू सिलेंडर के लिए 25 दिन तक की प्रतीक्षा की स्थिति पैदा हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने आरोप लगाया कि रेस्तरां और छोटे भोजनालय बंद हो रहे हैं तथा जमाखोरी और कालाबाजारी फैल रही है।

हरीश राणा को मिली इच्छामृत्यु की इजाजत, फैसला सुनाते समय जज हो गए भावुक

नई दिल्ली 11 मार्च (निस): सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 32 साल के हरीश राणा को इच्छामृत्यु की इजाजत दे दी। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट में माहौल गमगीन हो गया। फैसला सुनाते समय जस्टिस जे बी पारदीवाला बेहद भावुक हो गए और उनकी आंखें नम हो गई। बता दें सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस के वी विश्वनाथन की पीठ ने हरीश राणा के माता-पिता को हरीश का वेंटीलेटर हटाने की इजाजत दे दी है। हरीश राणा पिछले 13 साल से लगातार वेजिटेटिव स्टेट यानी कोमा में हैं।बता दें इससे पहले यह मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया था। इस मामले से सम्मानजनक मृत्यु के अधिकार यानी 'राइट टू डाई विद डिग्निटी' जैसे अहम सवाल भी जुड़े हुए थे। बुधवार को फैसला सुनाते समय जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि हरीश राणा कभी एक होनहार छात्र थे और पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन एक दुर्घटना ने उनकी जिंदगी की दिशा ही बदल दी। मामले की परिस्थितियों का जिक्र करते समय जस्टिस पारदीवाला भावुक हो गए।

पंजाब विस में बजट चर्चा पर लालजीत भुल्लर का बयान...

पंजाब का बजट जनकल्याण, महिला सशक्तिकरण एवं समाजिक न्याय के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब-लालजीत

चंडीगढ़, 11 मार्च (निस)पंजाब के परिवहन और जेल मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने आज पंजाब विधानसभा में पंजाब बजट 2026-27 पर चल रही चर्चा में भाग लेते हुए इस बजट को प्रगतिशील, दूरदर्शी और आम जनता के कल्याण पर केंद्रित बताया। चर्चा में भाग लेते हुए मंत्री ने मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान और वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि यह बजट पंजाब सरकार द्वारा जनता से किए गए वादों को पूरा करने और राज्य में संतुलित एवं समयबद्ध विकास सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।भुल्लर ने कहा कि यह बजट विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, महिलाओं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जनकल्याणकारी

योजनाओं का विस्तार करने और सरकारी योजनाओं का लाभ हर घर तक पहुँचाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार की पहलों का उल्लेख करते हुए मंत्री ने मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना का जिक्र किया, जिसके तहत पात्र परिवारों को 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित होगी और चिकित्सा आपात स्थिति के समय परिवारों को आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा।महिला सशक्तिकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए भुल्लर ने कहा कि सामान्य वर्ग की महिलाओं को प्रति माह 1000 रुपये तथा अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को 1500 रुपये प्रति माह की आर्थिक सहायता देने वाली योजना महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी और उन्हें परिवार की आर्थिक मजबूती में अधिक योगदान देने के योग्य बनाएगी। उन्होंने इस पहल को सम्मान राशि बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य राज्य की महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा और सम्मान प्रदान करना है।मंत्री ने आगे कहा कि अनुसूचित जाति भाईचारे ने ऐतिहासिक रूप से भेदभाव और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों का सामना किया है। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा इन परिवारों के लिए विशेष सहायता के प्रयास किए गए हैं, ताकि उनके बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकें और भविष्य में समाज की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।भुल्लर ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार से सीमित सहयोग और वित्तीय प्रतिबंधों के बावजूद पंजाब सरकार ने अपने राजस्व स्रोतों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इससे सरकार को जनकल्याणकारी योजनाओं का विस्तार करने और सेवाओं की डिलीवरी में सुधार करने में मदद मिली है।उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने राज्य पर भारी कर्ज तो चढ़ाया, लेकिन जनता को उसके अनुरूप लाभ नहीं मिला। मौजूदा सरकार जिम्मेदार वित्तीय प्रबंधन को प्राथमिकता दे रही है और यह सुनिश्चित कर रही है कि सरकारी संसाधनों का उपयोग जनकल्याण और विकास के लिए किया जाए।

मार्च में ही आसमान से बरसने लगी आग

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) मार्च में ही मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा सहित अन्य राज्यों में दिन का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। राजस्थान में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा, सबसे ज्यादा बाढ़मेर में 40.6 डिग्री सेल्सियस रहा। तेज गर्मी के साथ-साथ 2 जिलों में हीटवेव और 19 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट है। मध्य प्रदेश में मार्च के दूसरे हफ्ते से ही तेज गर्मी होने लगी है। ग्वालियर-चंबल में तापमान सामान्य से 6 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा। मौसम विभाग के मुताबिक 15 मार्च के बाद गर्मी और बढ़ेगी। मंगलवार को धार में पारा सबसे ज्यादा 39 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। बाकी शहरों में 34 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। उत्तर प्रदेश में मंगलवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा, लेकिन आज सुबह लखनऊ, कानपुर सहित 15 शहरों में धुंध छाई। इसके कारण शाहजहांपुर में बस-कार की टक्कर में 4 लोगों की मौत हुई। उन्नाव में भी 4 वाहनों की टक्कर में 10 लोग घायल हुए।

हरियाणा और कनाडा नवाचार व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मजबूत साझेदारी स्थापित कर सकते हैं - मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 11 मार्च (अमृतपाल सिंह) हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को अपने आवास संत कबीर कुटीर पर इंडो-कनाडा चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री प्रशांत श्रीवास्तव के नेतृत्व में आए एक प्रतिनिधिमंडल के साथ

उच्चस्तरीय बैठक की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा कनाडा के साथ बढ़ते सहयोग को एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखता है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में वे देश और क्षेत्र तेजी से प्रगति कर रहे हैं, जो ज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर आधारित साझेदारियां स्थापित कर रहे हैं।श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा और कनाडा कई ऐसे क्षेत्रों में मिलकर काम कर सकते हैं, जिनसे साझा प्रगति और सतत विकास का एक मजबूत मॉडल तैयार किया जा सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और स्मार्ट गवर्नेंस में संभावित सहयोग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार प्रशासन को अधिक पारदर्शी, कुशल और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए डिजिटल और एआई आधारित समाधानों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कनाडा वैश्विक स्तर पर अग्रणी देशों में से एक है और स्मार्ट गवर्नेंस, डेटा-आधारित निर्णय प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाओं तथा कृषि क्षेत्र के लिए एआई आधारित समाधानों जैसे क्षेत्रों में सहयोग से शासन और जनसेवा वितरण को और सशक्त बनाया जा सकता है।मुख्यमंत्री ने शिक्षा और कौशल विकास के महत्व पर भी विशेष जोर दिया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य हरियाणा के युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। कनाडा की एप्लाइड लर्निंग, पॉलिटेक्निक शिक्षा और सिमुलेशन आधारित प्रशिक्षण प्रणाली अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हैं। संयुक्त डिग्री कार्यक्रम, कौशल विकास कार्यक्रम, एक्सपिरियंस लर्निंग और इंडस्ट्री इंटिग्रेटिड पाठ्यक्रम जैसे क्षेत्रों में साझेदारी से युवाओं के लिए नए अवसर सृजित हो सकते हैं।कृषि और एग्री-टेक के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रिसिजन फार्मिंग, पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट, फूड प्रोसेसिंग और कोल्ड-चेन इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में सहयोग से हरियाणा के किसानों की उत्पादकता और आय दोनों को बढ़ाने में मदद मिल सकती है।उन्होंने कहा कि स्टार्टअप, नवाचार और तकनीकी उद्यमिता भी परस्पर सहयोग के लिए एक बड़ा क्षेत्र है। हरियाणा निरंतर नवाचार-आधारित अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है और कनाडा का वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित टेक स्टार्टअप इकोसिस्टम राज्य के प्रयासों को और मजबूती प्रदान कर सकता है।

सम्पादकीय

भारत में रसोई गैस का संकट देशभर में अफरा-तफरी

ईरान-इजरायल युद्ध का असर अब भारत में बड़े पैमाने पर दिखने लगा है। रसोई गैस की आपूर्ति पर जिस तरह के प्रतिबंध पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा लगाए जा रहे हैं, उसके बाद स्थिति बुरी तरह से गड़बड़ा गई है। होटल और रेस्टोरेंट के संचालकों को कामर्शियल गैस के सिलेंडर की आपूर्ति बंद कर दी गई है। जिसके कारण देशभर के हजारों रेस्टोरेंट और होटल बंद होने की कगार पर हैं। वहीं शादी-विवाह का सीजन होने के कारण इसका असर पूरे देश में देखने को मिल रहा है। गैस सिलेंडर की कीमत पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा बढ़ा दी गई है। गैस की डिलीवरी भी मनमाने तरीके से की जा रही है। इसको देखते हुए केंद्र सरकार ने आनन-फानन में एस्मा लागू किया है। इससे स्पष्ट है, भारत में रसोई गैस को लेकर अचानक पैदा हुए संकट ने आम जनता से लेकर छोटे कारोबारियों को मुसीबत में डाल दिया है। कामर्शियल एवं घरेलू एलपीजी सिलेंडरों पर लगी पाबंदियों और आपूर्ति में आई रुकावटों के कारण देश के कई शहरों में होटल, रेस्टोरेंट और छोटे खाद्य व्यवसाय बंद होने की स्थिति में आ गए हैं। देश भर के कई स्थानों के होटल और ढाबों ने अस्थायी रूप से अपने व्यवसाय को बंद करने की घोषणा कर दी है, जिससे लाखों लोगों का रोजगार और करोड़ों लोगों की नौकरी में संकट उत्पन्न हो गया है। लोगों को चाय पानी नाश्ता और खाना भी कारोबारी स्थलों पर नहीं मिल पा रहा है। कामर्शियल गैस सिलेंडर का इस्तेमाल देश के लाखों छोटे बड़े व्यवसायों में होता है। जहां करोड़ों लोग काम करते हैं। सड़क किनारे चाय, पोहा, वड़ा-पाव, कुलचे-भटूरे बेचने वाले छोटे दुकानदार से लेकर बड़े रेस्टोरेंट तक सभी एलपीजी गैस पर निर्भर हैं। गैस सिलेंडर की सप्लाई में रुकावट आती है, बुकिंग पर सख्त प्रतिबंध लगाए जाते हैं। इसका सीधा असर करोड़ों लोगों पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से पडने जा रहा है। देश के कई शहरों में एजेंसियों के बाहर सिलेंडर लेने के लिए लंबी कतारें लग रही हैं। कहीं-कहीं कानून व्यवस्था की स्थिति भी गड़बड़ाने लगी है। हर तरफ बेचैनी का माहौल देखने को मिल रहा है। सरकार का दावा है, देश में गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। किसी संकट की स्थिति नहीं है। विपक्ष ने संसद में चर्चा की मांग की, जिसे सरकार ने स्वीकार नहीं किया। 24 घंटे के अंदर ही जमीनी हालात कुछ और कहानी कह रहे हैं। कई जगहों पर गैस सिलेंडर की आपूर्ति की शिकायतें मिलने लगी हैं। इससे लोगों के बीच घबराहट फैल रही है। गैस की आपूर्ति पर कालाबाजारी होने लगी है। विशेषज्ञों का कहना है, इतने बड़े संकट में ऊर्जा आपूर्ति जैसे संवेदनशील मामले में नीतिगत निर्णय सोच-समझकर करने चाहिए। जब संसद सत्र चल रहा है, तब इस गंभीर संकट पर विस्तृत चर्चा होनी ही चाहिए। अचानक लगाए गए प्रतिबंध या आपूर्ति में बदलाव के निर्णय का असर केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसका असर व्यापक स्तर पर सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। एलपीजी के अभाव में होटल और छोटे खाद्य व्यवसाय बंद होने लगे हैं। इससे लाखों मजदूरों, कर्मचारियों तथा छोटे कारोबारियों की आजीविका प्रभावित हो रही है। शहरी क्षेत्र में खाना बनाना भी आम परिवारों के लिए बड़ा मुश्किल हो जाएगा। भारत में बिजली की आपूर्ति बेहतर स्थिति में नहीं है। जिसके कारण ऊर्जा का संकट देश में प्रत्येक परिवार पर गंभीर रूप से प्रभाव डाल रहा है। सरकार की जिम्मेदारी है, वह वर्तमान स्थिति को पारदर्शिता के साथ संसद और आम जनता के सामने रखे। देश की जनता को विश्वास में ले। रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के लिए सुनिश्चित किया जाए। पेट्रोल डीजल और रसोई गैस की उपलब्धता निरंतर बनी रहे। छोटे कारोबारियों और उससे जुड़े हुए लोगों को परेशानियों का सामना ना करना पड़े। इसके लिए रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति में व्यवधान ना हो। इनकी कीमतें नियंत्रित रहें। देश की अर्थव्यवस्था में छोटे व्यवसायों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस स्थिति में सरकार की नीति या आदेश का असर यदि आम जनता के अस्तित्व पर पड़ने लगे। उस पर गंभीरता के साथ विचार विमर्श कर निर्णय करना आवश्यक हो जाता है। केंद्र सरकार द्वारा 10 मार्च 2026 को एस्मा लागू करते हुए रिफाइनरियों और गैस आपूर्ति करने वाली कंपनियों और डीलरों के लिए 6 महीने के लिए लागू किया है। इसमें रिफाइनरी और तेल कंपनियों को आपूर्ति बनाए रखने के लिए विशेष प्रावधान लागू किए गए हैं। अमेरिका और ईरान युद्ध के बाद जिस तरह से कच्चे तेल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति एवं कीमत बढ़ने का असर आम जनता के ऊपर प्रत्यक्ष रूप से देखने को मिल रहा है। वैसी कोई तैयारी शासन स्तर पर दिख नहीं रही है। संसद में इसकी चर्चा नहीं हो रही है। इसको लेकर आम जनता के मन में वर्तमान युद्ध के हालात को देखते हुए अपने भविष्य और सरकार की विश्वसनियता को लेकर अनिश्चितता का वातावरण बढ़ता चला जा रहा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह चिंता का सबसे बड़ा कारण है। सरकार ना तो संसद को विश्वास में ले रही है ना ही आम जनता को विश्वास में ले रही है। जिसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया आम जनता के बीच में हो रही है।

बढ़ता युद्ध संकट: ईरान को झुकाना आसान नहीं दिख रहा

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

ईरान-अमेरिका-इजरायल टकराव और संभावित वैश्विक परिणाम- बढ़ता टकराव दुनियाँ को उस मोड़ पर ले जा सकता है जहाँ से वापस लौटना कठिन हो जाएगा? वैश्विक स्तरपर मध्य- पूर्व एक बार फिर उस ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है जहाँ क्षेत्रीय संघर्ष वैश्विक संकट का रूप ले सकता है।हाल के घटनाक्रमों में ईरान,इजराइल और यूनाइटेड स्टेट्स के बीच बढ़ते सैन्य टकराव ने न केवल पश्चिम एशिया बल्कि पूरे विश्व की शांति और सुरक्षा को गंभीर चुनौती दे दी है। विशेष रूप से ईरान के सर्वोच्च नेता खामनेई की मौत के बाद उभरी प्रतिशोध की राजनीति और तीखी सैन्य बयान बाजी ने हालात को और अधिक विस्फोटक बना दिया है।खामेनेई की मौत के बाद ईरान में प्रतिशोध की भावना अत्यधिक तीव्र हो गई है। ईरान के सुरक्षा प्रतिष्ठान से जुड़े नेताओं और पूर्व कमांडरों ने खुले शब्दों में यह घोषणा की है कि इस घटना का बदला लिया जाएगा।विशेष रूप सेइस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के पूर्व कमांडरों ने सीधे तौर पर अमेरिकी नेतृत्व को निशाना बनाते हुए कहा है कि ईरान अपने नेता के खून का हिसाब अवश्य लेगा।खामेनेई की मौत के बाद इजरायल की ओर से यह बयान देना कि नए सर्वोच्च नेता के चयन में शामिल लोगों को भी निशाना बनाया जा सकता है,यह दर्शाता है कि इजरायल इस संघर्ष को केवल सैन्य अभियान तक सीमित नहीं बल्कि राजनीतिक संरचना को प्रभावित करने की रणनीति के रूप में देख रहा है।ट्रंप ने ईरान की चेतावनियों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि उन्हें इन धमकियों से कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान पहले ही इस युद्ध को हार चुका है और जब तक तेहरान बिना शर्त आत्म समर्पण नहीं करता, तब तक अमेरिकी सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यदि इस संघर्ष को समय रहते कूटनीतिक उपायों से नियंत्रित नहीं किया गया,तो यह केवल क्षेत्रीय युद्ध तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि विश्व- व्यापी अस्थिरता का कारण बन सकता है।इस पूरे संघर्ष का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इसमें परमाणु हथियारों के उपयोग की आशंका से पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चिंता रही है। वहीं इजरायल के पास पहले से

ही परमाणु हथियार होने की संभावना मानी जाती है,हालांकि उसने कभी आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं की है।यदि यह संघर्ष पूर्ण युद्ध में बदलता है और इसमें परमाणु हथियारों का प्रयोग होता है, तो इसके परिणाम केवल मध्य-पूर्व तक सीमित नहीं रहेंगे बल्कि पूरी दुनिया पर गंभीर प्रभाव डाल सकते हैं।इतिहास में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद परमाणु हथियारों का प्रयोग नहीं हुआ है। लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यदि क्षेत्रीय युद्ध नियंत्रण से बाहर हो जाता है तो यह संभावना भी पूरी तरह से नकारा नहीं जा सकता।

साथियों बात अगर हम खामेनेई की मौत और बदलती शक्ति- राजनीति को समझने की करें तो,हालिया घटनाओं में सबसे बड़ा झटका ईरान के सर्वोच्च नेता की मौत को माना जा रहा है।खामेनेई ईरान की राजनीति, धार्मिक नेतृत्व और सैन्य रणनीति के केंद्र में रहे थे। उनकी मृत्यु केवल एक नेता की मृत्यु नहीं बल्कि ईरान की राजनीतिक संरचना में एक बड़े परिवर्तन का संकेत भी है।खामेनेई की मौत के बाद ईरान के भीतर सत्ता संरचना को स्थिर बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। ईरान का संविधान सर्वोच्च नेता के चयन की प्रक्रिया को स्पष्ट रूप से निर्धारित करता है,जिसके तहत 88 सदस्यीय विशेषज्ञ परिषद नए नेता का चयन करती है। यह परिषद धार्मिक विद्वानों और वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं से मिलकर बनी होती है। इस परिषद का निर्णय केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि राजनीतिक और सैन्य दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।खामेनेई की मौत के बाद इस परिषद ने नए सर्वोच्च नेता के चयन की प्रक्रिया को तेज कर दिया है।किंतु इस बीचइजरायल की ओर से यह चेतावनी दी गई है कि जो भी व्यक्ति ईरान के नए सर्वोच्च नेता के रूप में उभरेगा या चयन प्रक्रिया में शामिल होगा, उसे भी निशाना बनाया जा सकता है। यह बयान क्षेत्रीय तनाव को और अधिक भड़काने वाला माना जा रहा है।

साथियों बात अगर हम ईरान की चेतावनी व ट्रंप कीप्रतिक्रिया और अमेरिकी रणनीति को समझने की करें तो, इस संदर्भ में ईरान के एक प्रमुख नेता ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को सीधे चेतावनी देते हुए कहा कि उन्हें उनके कार्यों की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान ट्रंप को कभी अकेला नहीं छोड़ेगा और उनके खिलाफ कार्रवाई जारी रखेगा। यह बयान केवल व्यक्तिगत धमकी नहीं बल्कि एक व्यापक रणनीतिक संकेत माना जा रहा है कि ईरान इस संघर्ष को दीर्घकालिक प्रतिशोध के रूप में देख रहा है।ईरान के भीतर यह धारणा मजबूत हो रही है कि अमेरिका और इजरायल ने मिलकर उसके सर्वोच्च नेता को निशाना बनाया है। इस कारण वहां जनता और सैन्य नेतृत्व के बीच प्रतिशोध की भावना और भी अधिक तीव्र हो गई है।इन धमकियों पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अत्यंत कठोर प्रतिक्रिया दी है, ट्रंप का यह बयान अमेरिकी रणनीति को स्पष्ट करता है।अमेरिका लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय प्रभाव को सीमित करने की नीति अपनाता रहा है। अमेरिकी प्रशासन का मानना है कि यदि ईरान को अभी नहीं रोका गया तो वह मध्य-पूर्व में अपनी सैन्य और राजनीतिक ताकत को इतना मजबूत बना सकता है कि भविष्य में उसे नियंत्रित करना कठिन हो जाएगा।इसी कारण अमेरिका ने इजरायल के साथ मिलकर कई सैन्य अभियानों को अंजाम दिया है,जिनका उद्देश्य ईरान की सैन्य क्षमताओं और उसके परमाणु कार्यक्रम को सटीक रूप से कमजोर करना बताया जाता है।

साथियों बात अगर हम इस्लामिक देशों और वैश्विक प्रतिक्रिया को समझने की करें तो ईरान के खिलाफ हुए हमलों और खामेनेई की मौत के बाद कई इस्लामिक देशों में तीखी प्रतिक्रियाएँ देखने को मिल रही हैं। कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं और अमेरिका तथा इजरायल के खिलाफ नाराजगी बढ़ती दिखाई दे रही है।यदि यह विरोध व्यापक राजनीतिक आंदोलन में बदलता है तो इससे कई देशों की आंतरिक राजनीति भी प्रभावित हो सकती है। साथ ही इससे वैश्विक स्तर पर अमेरिका और उसकेसहयोगियों के प्रति असंतोष बढ़ सकता है।

कूटनीति की आवश्यकताइन परिस्थितियों में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या इस युद्ध को रोका जा सकता है। इतिहास बताता है कि जब भी संघर्ष चरम पर पहुंचता है, तब कूटनीतिक प्रयास ही स्थायी समाधान का रास्ता बनते हैं।

बंगाल में संविधानिक तंत्र की विफलता के लिए कौन जिम्मेवार

- सौरभ वार्ष्णेय

भारत में जब किसी राज्य में कानून-व्यवस्था या राजनीतिक टकराव को लेकर विवाद बढ़ता है, तो अक्सर यह सवाल उठता है कि केंद्र सरकार या राष्ट्रपति उस राज्य की सरकार को क्यों नहीं हटा देते? हाल के समय में भी पश्चिम बंगाल की स्थिति को लेकर ऐसी चर्चाएँ सुनाई देती हैं। लेकिन भारतीय संविधान में राज्य सरकार को बर्खास्त करना इतना सरल या मनमाना निर्णय नहीं है। इसके लिए स्पष्ट संवैधानिक प्रक्रिया और ठोस कारण आवश्यक होते हैं। अभी हाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 7 मार्च, 2026) को पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में अंतर्राष्ट्रीय संथाल परिषद द्वारा आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में भाग लेने गईं थीं जहां कई अव्यवस्थायें देखने को मिलीं। जिस लेकर राष्ट्रपति ने अपनी नाराजगी जाहिर की थी। इस पर विपक्ष का कहना था कि वहां चुनाव है इसलिए भारतीय जनता पार्टी संवैधानिक पदों का भी राजनीतिक इस्तेमाल कर रही हैं ? जबकि राष्ट्रपति का पद राजनीति से बहुत ऊपर है। अब बात निकली है तो बहुत दूर तक जाना तो तय है।यह मुद्दा इतना गर्म हो गया था कि दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा राष्ट्रपति जी के अपमान और संथाल संस्कृति के साथ किए गए लापरवाही भरे व्यवहार की कड़ी निंदा करते हुए इस घटना को शर्मनाक बताते हुए कहा कि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। जो भी लोकतंत्र और आदिवासी समुदायों के सशक्तिकरण में विश्वास करता है, वो इस घटना से बहुत निराश है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति जी खुद आदिवासी समुदाय से हैं, और उन्होंने जो दर्द और पीड़ा व्यक्त

की है उसने भारत के लोगों को बहुत दुःखी किया है। पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार ने सारी हदें पार कर दी हैं और राष्ट्रपति के इस अपमान के लिए उनका प्रशासन जिम्मेदार है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि यह भी उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि संथाल संस्कृति जैसे महत्वपूर्ण विषय के साथ पश्चिम बंगाल सरकार इतना लापरवाही भरा व्यवहार कर रही है। इस कार्यालय की पवित्रता का हमेशा सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने उम्मीद ज़ाहिर की कि पश्चिम बंगाल सरकार और टीएमसी को सद्बुद्धि आएगी।अब ऐसे में भारत की राष्ट्रपति, वर्तमान में द्रोपदी मुर्मु, देश के संवैधानिक प्रमुख हैं। हालांकि वे अधिकांश मामलों में मंत्रिपरिषद की सलाह पर ही निर्णय लेती हैं। किसी राज्य की सरकार को हटाने का प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत आता है, जिसे आम तौर पर राष्ट्रपति शासन' कहा जाता है। इसका प्रयोग तभी किया जा सकता है जब यह साबित हो जाए कि राज्य में संवैधानिक तंत्र पूरी तरह विफल हो गया है।पश्चिम बंगाल में वर्तमान में सरकार का नेतृत्व मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी कर रही हैं। यदि राज्य में राजनीतिक हिंसा, प्रशासनिक विफलता या अन्य गंभीर स्थिति की शिकायतें होती भी हैं, तब भी केवल आरोपों या राजनीतिक मतभेद के आधार पर सरकार को बर्खास्त नहीं किया जा सकता। इसके लिए राज्यपाल की रिपोर्ट, केंद्र सरकार का आकलन और अंततः संसद की मंजूरी जैसी प्रक्रियाएँ जरूरी होती हैं।इतिहास बताता है कि अनुच्छेद 356 का कई बार राजनीतिक कारणों से दुरुपयोग हुआ है। इसी कारण एसआर बोम्माई वर्सिस यूनियन ऑफ इंडिया के ऐतिहासिक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति शासन लागू करने का निर्णय न्यायिक समीक्षा के दायरे में रहेगा और इसे मनमाने तरीके से लागू नहीं किया जा सकता। इस फैसले के बाद राज्यों की चुनी हुई सरकारों को हटाना पहले की तुलना में कहीं अधिक कठिन हो गया है।

लोकतंत्र में जनता द्वारा चुनी गई सरकार को हटाने का सबसे बड़ा अधिकार अंततः जनता के पास ही होता है। यदि किसी राज्य की सरकार से असंतोष है, तो उसका समाधान चुनाव के माध्यम से किया जाता है। इसलिए केवल राजनीतिक विवाद या आरोपों के आधार पर राष्ट्रपति द्वारा सीधे राज्य सरकार को बर्खास्त करना न तो संवैधानिक रूप से उचित है और न ही लोकतांत्रिक परंपरा के अनुकूल। इस प्रकार, पश्चिम बंगाल सरकार को हटाने का सवाल केवल राजनीतिक इच्छा का नहीं, बल्कि संवैधानिक प्रक्रिया और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का विषय है। जब तक यह साबित न हो जाए कि राज्य में संवैधानिक व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी है, तब तक किसी भी सरकार को बर्खास्त करना संभव नहीं होता।अब सवाल उठता है कि पश्चिम बंगाल सरकार पर नाराज़ होने की चर्चा मुख्यतः राज्य में कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक टकराव और केंद्र-राज्य संबंधों से जुड़े मुद्दों के कारण उठती रही है। हाल के समय में कुछ घटनाओं ने इस तनाव को और बढ़ाया है। पश्चिम बंगाल में कई बार राजनीतिक हिंसा, चुनावी टकराव और साम्प्रदायिक तनाव की घटनाएँ सामने आती रही हैं।

भारतीय क्रिकेट का स्वर्णिम दौर: खिलाड़ियों के कठिन परिश्रम का नतीजा

- कांतिलाल मांडोत

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल भारतीय क्रिकेट के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने केवल एक टूर्नामेंट नहीं जीता, बल्कि लगातार सफलता की ऐसी कहानी लिखी जिसने दुनिया को भारतीय क्रिकेट की ताकत का एहसास करा दिया। पिछले तीन वर्षों में तीन आईसीसी ट्रॉफी जीतना इस बात का प्रमाण है कि टीम इंडिया ने निरंतरता, आत्मविश्वास और सामूहिक मेहनत से सफलता का नया अध्याय रचा है।भारत की इस शानदार जीत में बल्लेबाजों से लेकर गेंदबाजों तक सभी खिलाड़ियों का योगदान रहा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह टी-20 विश्व कप फाइनल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर भी बन गया। इतने बड़े लक्ष्य के सामने न्यूजीलैंड की टीम दबाव में आ गई और पूरी टीम 159 रन पर ही सिमट गई। इस प्रकार भारत ने न केवल जीत दर्ज की बल्कि टी-20 क्रिकेट में अपनी आक्रामक शैली का शानदार प्रदर्शन भी किया।इस ऐतिहासिक जीत का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि भारत ने तीन साल के भीतर तीन आईसीसी ट्रॉफियां जीतने का कारनामा किया है। वर्ष 2024 में भारत ने टी-20 विश्व कप जीतकर लगभग 17 वर्षों बाद इस खिताब को अपने नाम किया था। इसके बाद 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर टीम ने अपनी लय बरकरार रखी और अब 2026 में फिर से टी-20 विश्व कप जीतकर विश्व क्रिकेट में अपना दबदबा साबित कर दिया। लगातार दो बार टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारत पहली टीम बन गई है और यह उपलब्धि भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम दौर को दर्शाती है।टीम इंडिया की सफलता के पीछे केवल प्रतिभा नहीं बल्कि खिलाड़ियों की कठिन मेहनत, अनुशासन और टीम भावना भी है। इस टूर्नामेंट में भारतीय बल्लेबाजों ने जिस आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की, उसने विरोधी टीमों के गेंदबाजों को लगातार दबाव में रखा। पूरे टूर्नामेंट में भारत ने 106 छक्के लगाए, जो

किसी भी टी-20 विश्व कप के एक संस्करण में सबसे अधिक हैं। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि भारतीय टीम अब केवल तकनीकी रूप से मजबूत ही नहीं बल्कि आक्रामक क्रिकेट खेलने में भी सबसे आगे है। इस शानदार प्रदर्शन में सबसे बड़ा योगदान रहा भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का। संजू सैमसन ने पूरे टूर्नामेंट में 321 रन बनाए और भारत के लिए एक टी-20 विश्व कप संस्करण में सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम था, जिन्होंने 2014 में 319 रन बनाए थे। संजू की बल्लेबाजी में आत्मविश्वास, आक्रामकता और जिम्मेदारी का अद्भुत संतुलन दिखाई दिया, जिसने भारत को कई कठिन मैचों में जीत दिलाई।

संजू सैमसन की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि उन्होंने बड़े मैचों में शानदार प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल और फाइनल जैसे दबाव भरे मुकाबलों में भी उन्होंने अर्धशतक लगाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। पूरे टूर्नामेंट में उनका स्ट्राइक रेट लगभग 200 के आसपास रहा, जो टी-20 क्रिकेट के लिए बेहद प्रभावशाली माना जाता है। उनके इस शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया। भारतीय टीम की बल्लेबाजी में इंसान किशन और अभिषेक शर्मा ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ईशान किशन ने पूरे टूर्नामेंट में 317 रन बनाए और कई मैचों में तेज शुरुआत देकर टीम को मजबूत आधार दिया। वहीं अभिषेक शर्मा ने फाइनल में केवल 18 गेंदों में अर्धशतक लगाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को पूरी तरह से दबाव में ला दिया। टीम इंडिया की गेंदबाजी भी इस टूर्नामेंट में उतनी ही प्रभावशाली रही। भारतीय तेज गेंदबाज जशप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट हासिल किए। फाइनल मैच में उन्होंने केवल 15 रन देकर 4 विकेट लिए और न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उनकी सटीक लाइन-लेंथ और दबाव में शानदार गेंदबाजी ने भारत की जीत को आसान बना दिया। यही कारण है कि उन्हें फाइनल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया।

भारतीय टीम की सफलता में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का योगदान भी बेहद महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। हार्दिक ने 200 से अधिक रन बनाए और साथ ही महत्वपूर्ण विकेट भी हासिल किए। सेमीफाइनल में उनके ऑलराउंड प्रदर्शन ने भारत को इंग्लैंड के खिलाफ रोमांचक जीत दिलाई, जिसने टीम का आत्मविश्वास और भी मजबूत कर दिया।

फाइनल मुकाबले में शिवम दुबे की छोटी लेकिन विस्फोटक पारी भी बेहद अहम साबित हुई। जब भारत की पारी थोड़ी धीमी पड़ती दिखाई दे रही थी, तब शिवम दुबे ने अंतिम ओवरों में तेज रन बनाकर टीम का स्कोर 255 तक पहुंचा दिया। उनकी केवल 8 गेंदों में 26 रन की पारी ने न्यूजीलैंड के सामने बेहद मुश्किल लक्ष्य खड़ा कर दिया। इस पूरी सफलता के पीछे टीम के कोच गौतम गम्भीर की रणनीति और मार्गदर्शन भी महत्वपूर्ण रहा। गंभीर पहले खिलाड़ी के रूप में बड़े फाइनल मैचों में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और अब कोच के रूप में भी उन्होंने टीम को सफलता दिलाई है। उनकी सोच, रणनीति और खिलाड़ियों पर विश्वास ने टीम को लगातार जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। भारतीय टीम की इस जीत ने पूरे देश में उत्साह और गर्व का माहौल बना दिया। जीत के बाद देशभर में लोगों ने सड़कों पर उतरकर जश्न मनाया। कई जगहों पर आतिशबाजी हुई और लोग तिरंगा लेकर खुशी से झूमते नजर आए। यह जीत केवल खिलाड़ियों की नहीं बल्कि पूरे देश की जीत बन गई।

दिल्ली में बढ़ते बस हादसे- सड़कों पर अतिक्रमण बना बड़ा खतरा

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) वृद्धि हो रही है। इसका मुख्य कारण सड़कों और बस लेन पर बढ़ता अतिक्रमण है। फुटपाथों पर अवैध कब्जे, रेहड़ी-पटरी और अव्यवस्थित पार्किंग से सड़कों की चौड़ाई कम हो जाती है, जिससे बसों जैसे बड़े वाहनों का संचालन मुश्किल हो जाता है। दिल्ली में डीटीसी और क्लस्टर बसों से जुड़े सड़क हादसों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। हाल के महीनों में हुए कई हादसों ने एक बार फिर शहर की सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इन दुर्घटनाओं के पीछे कई कारण हैं, लेकिन सड़कों पर बढ़ता अतिक्रमण सबसे बड़ी समस्याओं में से एक बनकर उभर रहा है, जिसने बसों और अन्य बड़े वाहनों के सुरक्षित संचालन को बेहद चुनौतीपूर्ण बना दिया है। दिल्ली के कई प्रमुख मार्गों पर फुटपाथ से लेकर बस लेन तक अवैध कब्जा देखने को मिलता है। सड़क किनारे अवैध दुकानें, रेहड़ी-पटरी, ठेले और अव्यवस्थित पार्किंग के कारण सड़क की वास्तविक चौड़ाई कम हो जाती है। इसका सीधा असर ट्रैफिक संचालन पर पड़ता है। बसों जैसे बड़े वाहनों को भीड़भाड़ और संकरी हो चुकी सड़कों पर चलना पड़ता है, जिससे कई बार चालक को अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है या बस का संतुलन बिगड़ जाता है। यही स्थिति कई बार दुर्घटनाओं का कारण बनती है। विशेष रूप से पश्चिमी और मध्य दिल्ली के कई व्यस्त मार्ग इस समस्या से गंभीर रूप से प्रभावित बताए जाते हैं। इनमें पंखा रोड, मायापुरी मुख्य मार्ग, नजफगढ़ रोड, नांगलोईङ्कनजफगढ़ रोड, रोहतक रोड (नांगलोईङ्कपश्चिम विहार कॉरिडोर), तिलक नगरङ्क जनकपुरी मार्ग, पालमङ्कडाबड़ी रोड, भगवान महावीर मार्ग (उत्तम नगर), झड़ौदा कला मार्ग (नजफगढ़) और मंगोलपुरीङ्कसुल्तानपुरी मुख्य सड़क जैसे प्रमुख रास्ते शामिल हैं।

आठ घंटे की उड़ान के बाद दिल्ली लौटा इंडिगो का मैनचेस्टर विमान

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) पश्चिम एशिया में गहराते संकट और अचानक हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के कारण दिल्ली से मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की उड़ान 6ई033 को आठ घंटे हवा में रहने के बाद वापस दिल्ली लौटना पड़ा। पश्चिम एशिया में गहराते संकट और अचानक लागू हुए हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के असर से दिल्ली से मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की उड़ान 6ई033 को सफर के दौरान हवा में लगभग आठ घंटे बिताने के बाद वापस नई दिल्ली लौटना प?ा। इंडिगो की इस उड़ान ने संघर्ष क्षेत्रों से बचने के लिए अफ्रीका के ऊपर से लंबा रास्ता चुना था। जब विमान इथियोपिया और इरिट्रिया की सीमा पर पहुंचा, तो अचानक मिली हवाई क्षेत्र पाबंदियों के कारण इसे यू-टर्न लेना प?ा। वहीं, दोपहर करीब 2ः30 बजे जब यह विमान वापस दिल्ली में उतरा, तब तक यात्री 14 घंटे का सफर तय कर चुके थे, लेकिन वे वहीं ख? थे जहां से उन्होंने शुरुआत की थी। इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा कि मध्य पूर्व में बदलती स्थिति के कारण हमारे विमानों को लंबे रूट लेने प? रहे हैं। यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दिल्ली में बेकाबू क्लस्टर बस ने स्कूटी और बाइक सवार को रौंदा दोनों की मौत

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) पश्चिमी दिल्ली के निहाल विहार में सोमवार सुबह एक बेकाबू क्लस्टर बस ने नजफगढ़-नांगलोई रोड पर कई वाहनों को टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में स्कूटी सवार रविकांत शर्मा (32) और मोटरसाइकिल सवार कमलजीत (39) की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। पश्चिमी दिल्ली में निहाल विहार थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह नजफगढ़ङ्क नांगलोई रोड पर तेज रफ्तार क्लस्टर बस बेकाबू होकर कई वाहनों को टक्कर मारती चली गई। करीब सुबह 9ः45 बजे हुए इस हादसे में बस पीछे से स्कूटी, मोटरसाइकिल को टक्कर मार रौंदते हुए आगे निकल गई। इस बीच एक पैडल रिक्शा और कुछ राहगीर भी इसकी चपेट में आ गए। कई टक्कर के बाद बस की रफ्तार कम हुई, जिसके बाद चालक ने ब्रेक लगाकर बस रोका। इस हादसे में दो लोगों की मौत हुई वहीं दो घायल हो गए। मृतकों में निहाल विहार निवासी रविकांत शर्मा (32) और शिवराम पार्क निवासी कमलजीत (39)हैं। रविकांत स्कूटी पर थे, जबकि कमलजीत मोटरसाइकिल चला रहे थे। दोनों को अलग-अलग अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायलों में अमन (23) और रूबी (20) हैं, जो शिवराम पार्क, नांगलोई के रहने वाले हैं और मोटर पार्ट्स की एक कंपनी के सेल्स विभाग में काम करते हैं। दोनों सोमवार सुबह मोटरसाइकिल से आफिस जा रहे थे, तभी बस की चपेट में आ गए। हादसे में रूबी के सिर और आंख के पास चोट लगी है और उसे निहाल विहार के मंसाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक इस हादसे में और भी लोगों को हल्की चोटें आई होंगी, पर वे भीड़ को देख पुलिस के पहुंचने के पूर्व से मौके से चले गए।

41वीं बार मेट्रो के पहले यात्री बने अनिल मारवाह

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) वसंत कुंज निवासी अनिल मारवाह दिल्ली मेट्रो के प्रति अपने अद्वितीय जुनून के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 8 मार्च को अपनी 41वीं पहली राइड पूरी की, हर नए रूट के उद्घाटन पर सबसे पहले यात्रा करते हैं। दिल्ली मेट्रो लाखों लोगों के लिए रोजाना सहूलियत भरी यात्रा का साधन है, लेकिन दिल्ली के वसंत कुंज निवासी अनिल मारवाह के लिए यह सिर्फ सफर नहीं, बल्कि एक जुनून है। यही वजह है कि वे हर नए रूट के उद्घाटन पर सबसे पहले मेट्रो में सवार होने की कोशिश करते हैं। इस जुनून के साथ वे आठ मार्च को बतौर पहले राइडर अपनी 41वीं यात्रा पूरी कर चुके हैं। मारवाह ने दीपाली चौक चौक से मजलिस पार्क तक की यात्रा भी सबसे पहला कार्ड लेकर की। इसके बाद मजलिस पार्क से मौजपुर-बदरपुर रूट पर भी सफर किया। मारवाह बताते हैं कि 1988-89 में वे जापान में थे, तब वहां लोकल मेट्रो का इस्तेमाल करते थे। उस समय उनके मन में यह ख्याल आता था कि दिल्ली में ऐसी आधुनिक सुविधा कब शुरू होगी। जब 2002 में दिल्ली मेट्रो शुरू हुई तो उन्होंने पहली ही यात्रा करने की ठानी और बेटे को लेकर शाहदरा से तीस हजारी तक का सफर पूरा किया। दिलचस्प बात यह है कि मेट्रो के प्रति यह लगाव उनके परिवार में भी देखने को मिलता है। उनके बेटे ने भी एक्वा लाइन पर बतौर पहले यात्री सफर किया है। मारवाह एक ट्रैवलिंग कंपनी में बतौर जीएम कार्यरत हैं।

रेलवे ट्रैक पर मिली लाश की हुई शिनाख्त, चार बच्चों के पिता की मौत पर हत्या की आशंका परिजनों ने उठाए सवाल

गुना 11 मार्च (निस) शहर के कैंट थाना अंतर्गत विवेक कॉलोनी के पास रेलवे पटरियों पर शनिवार रात को मिले अज्ञात शव की शिनाख्त मंगलवार को हो गई है। मृतक की पहचान प्रशांत कुशवाह (27) पुत्र बहादुर कुशवाह, निवासी नानाखेड़ी के रूप में हुई है। प्रशांत चार मासूम बच्चों का पिता था और नानाखेड़ी मंडी में हम्माली का काम करता था। परिजनों के अनुसार, प्रशांत शनिवार रात करीब 9 बजे घर से यह कहकर अपनी मोटरसाइकिल से निकला था कि वह करीला मेला जा रहा है। उसके बाद वह वापस नहीं लौटा। शनिवार रात को ही पुलिस को विवेक कॉलोनी के पास पटरियों पर उसका शव मिला था, जिसकी दो दिनों तक शिनाख्त नहीं हो सकी थी। सोमवार देर रात जब परिजनों ने जिला अस्पताल के मर्चुरी हाउस में शव देखा, तो कोहराम मच गया। मृतक के भाई विक्की कुशवाह और अन्य परिजनों ने इस मामले में हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि प्रशांत का विवेक कॉलोनी की पटरियों की ओर जाने का कोई कारण नहीं था, उसे कोई बहला-फुसलाकर वहां ले गया है। पुलिस ने मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है कि यह दुर्घटना है, आत्महत्या या सोची-समझी साजिश।

राजगढ़ में शीतला माता को लगाया ठंडे पकवानों का भोग

नगर में मंगलवार को श्रद्धा और आस्था के साथ शीतला सप्तमी का पर्व मनाया जा रहा है। इस दौरान खिलचीपुर के पैलेस रोड स्थित शीतला माता मंदिर में सुबह से ही महिला श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। दर्शन और पूजन के लिए मंदिर परिसर में महिलाएं हाथों में ठंडे-बासी भोजन और पूजन की थालियां लेकर कतार में खड़ी नजर आईं। अपनी बारी आने पर महिलाओं ने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने शीतला माता को ठंडे और बासी भोजन का भोग अर्पित किया और अपने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस विशेष पर्व के अवसर पर मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। मंदिर परिसर के अंदर और बाहर पुलिस बल तैनात रहा, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।शीतला सप्तमी का पर्व रंगपंचमी के एक दिन बाद मनाया जाता है। इस दिन महिलाएं एक दिन पहले ही अपने घरों में पूड़ी, भजिए, कढ़ी, मीठे पुए, चने, मीठे चावल, हलवा और गुलगुले जैसे पकवान तैयार कर रखती हैं। अगले दिन इन ठंडे पकवानों का भोग शीतला माता को अर्पित किया जाता है और पूजा के बाद श्रद्धालु इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं। लोक मान्यता के अनुसार शीतला माता को ठंडे पकवान अर्पित करने से परिवार में सुख-शांति बनी रहती है और बीमारियों से सुरक्षा होती है। इसी आस्था के साथ महिलाओं ने मंदिर पहुंचकर पूजन किया और माता के जयकारे लगाए।

- नरसिंहगढ़ में भी उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नरसिंहगढ़ में भी शीतला सप्तमी के अवसर पर मंदिर में सुबह से ही महिला श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। श्रद्धालु अपनी बारी का इंतजार करते हुए विधिपूर्वक माता को ठंडा भोजन अर्पित कर परिवार की सुख-शांति की कामना करती नजर आईं।

मासूम से रेप और हत्या के आरोपी अतुल की फांसी की सजा पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई

भोपाल 11 मार्च (निस) राजधानी में पुराने शहर के शाहजहांनाबाद थाना इलाके में 24 सितंबर 2024 को 5 साल की मासूम से रेप के बाद उसकी बेरहमी से हत्या किये जाने के सनसनीखेज मामले में दोषी अतुल निहाले की फांसी की सजा पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। जानकारी के अनुसार सूप्रीम कोर्ट की सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय बेंच ने दोषी अतुल की याचिका पर सुनवाई करते हुए डेथ सेंटेंस को अमल करने पर स्टे दे दिया है। कोर्ट अब मामले में सजा और दोष सिद्धि से जुड़े पहलुओं पर विस्तार से सुनवाई करेगा। बैंच में न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया शामिल हैं। बेंच ने फिलहाल फांसी की सजा के अमल पर रोक लगाते हुए मामले की आगे सुनवाई तय की है। अदालत अब रिकॉर्ड और दोनों पक्षों की दलीलों के आधार पर यह तय करेगी कि निचली अदालतों के फैसले में किसी तरह के हस्तक्षेप की आवश्यकता है या नहीं।

- यह थी मासूम के साथ हैवानियत की घटना-जानकारी के अनुसार दिल दहला देने वाली यह घटना 24 सितंबर 2024 को शाहजहांनाबाद इलाके में हुई थी। दोपहर के समय पांच साल की मासूम बच्ची अपनी दादी के साथ मल्टी में स्थित बड़े पापा के फ्लैट पर थी। दादी ने उसे स्कूल की किताबें लाने के लिए नीचे भेजा था। उसी दौरान आरोपी अतुल निहाले बच्ची को जर्बदस्ती उठाकर अपने फ्लैट में ले गया और वहॉ उसके साथ दरिंदगी कर बेरहमी से उसकी हत्या कर दी। बाद में बच्ची के पिता ने शाहजहांनाबाद थाने में मासूम के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई।

- मॉ और बहन ने भी की हैवान अतुल की मदद-मासूम के साथ हुई हैवानियत के बेहद जघन्य मामले में आरोपी की मां बसंती निहाले और बहन चंचल भालसे ने भी अतुल की मदद की थी। उन दोनो को भी अदालत ने दोषी माना था। जांच में सामने आया था कि दोनों ने आरोपी की मदद करते हुए वारदात को छिपाने की कोशिश की थी। अदालत ने इस आधार पर दोनों को दो-दो साल की सजा सुनाई थी।

- 18 मार्च 2025 को सुनाया था ऐतिहासिक फैसला-मासूम के साथ दरिंदगी के अपराध को भोपाल की विशेष अदालत ने अपने फैसले में दुर्लभतम श्रेणी का मामला बताया था। विशेष पॉक्सो कोर्ट ने 18 मार्च 2025 को फैसला सुनाते हुए आरोपी अतुल निहाले को तीन अलग-अलग धाराओं में फांसी की सजा सुनाई थी। बीएनएस लागू होने के बाद मध्यप्रदेश में यह पहला मामला था, जिसमें किसी दोषी को अलग-अलग धाराओं में तीन बार मृत्युदंड दिया गया था। इसके अलावा अदालत ने आरोपी को दो धाराओं में उम्रकैद और दो अन्य धाराओं में सात-सात साल की सजा भी सुनाई थी।

मासूम से रेप और हत्या के आरोपी अतुल की फांसी की सजा पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई

डीएलएस कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर भव्य कार्यक्रम आयोजित

बिलासपुर 11 मार्च (निस) डी.एल.एस. महाविद्यालय बिलासपुर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक गरिमामय एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ. नमिता द्विवेदी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रताप पाण्डेय ने की, जबकि संरक्षक चेयरमैन निशा बसन्त शर्मा, विशिष्ट अतिथि डॉ. क्षमा त्रिपाठी तथा डॉ. सुनीता द्विवेदी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डॉ. नमिता द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि महिला शक्ति समाज की आधारशिला है और आज की महिलाएँ शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, खेल और राजनीति सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। प्राचार्य डॉ. प्रताप पाण्डेय ने कहा कि महिला दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान, अधिकार और समान अवसर के संकल्प का प्रतीक है। संरक्षक चेयरमैन निशा बसन्त शर्मा ने छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना तिवारी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन डॉ. सुष्मिता मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, प्रेरणा और महिला सशक्तिकरण के संदेश से परिपूर्ण रहा।

कृषि विज्ञान केंद्र- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 'महिला सशक्तिकरण' कार्यक्रम आयोजित

कृषि विज्ञान केंद्र बिलासपुर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण विषय पर एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना तथा उन्हें आधुनिक तकनीकों और नवाचारों से जोडकर् सशक्त बनाना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. संजय वर्मा रहे, जिन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव महिला किसान हैं। उनके योगदान के बिना कृषि का समग्र विकास संभव नहीं है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गीत शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. शिल्पा कौशिक मोदी, डॉ. निवेदिता पाठक, डॉ. स्वाती शर्मा तथा कृषि विभाग से उपाध्याय जी सहित बड़ी संख्या में प्रगतिशील महिला किसान उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान डॉ. गीत शर्मा ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र बिलासपुर द्वारा महिला किसानों को आधुनिक खेती, नई तकनीकों और नवाचारों से जोडने् के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और आगे भी यह अभियान जारी रहेगा। इस अवसर पर महिलाओं के उत्साहवर्धन के लिए विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिनमें महिला किसानों ने बढ़-चढकर् भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में खेती-किसानी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। समारोह के समापन पर उपस्थित सभी महिलाओं ने कृषि क्षेत्र में अपनी भागीदारी को और अधिक सशक्त बनाने तथा आधुनिक खेती को अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का माहौल उत्साह, सम्मान और प्रेरणा से भरपूर रहा।

सडक़ दुर्घटना पीड़ितों को 7 दिन तक क्र1.50 लाख तक का कैशलेस इलाज

बिलासपुर 11 मार्च (निस) सडक़ दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को त्वरित और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार की पीएम राहत योजना जिले में लागू की गई है। इस योजना के तहत सडक़ दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को अस्पताल में भर्ती अवधि के दौरान अधिकतम 7 दिनों तक या 1.50 लाख रुपये तक कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शुभा गरेवाल ने बताया कि योजना का उद्देश्य सडक़ दुर्घटना पीड़ितों को गोल्डन ऑवर के दौरान तत्काल उपचार उपलब्ध कराना है, ताकि उनकी जान बचाई जा सके। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अस्पतालों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है तथा राज्य स्तर पर भी प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत जिले के सरकारी एवं निजी कुल 37 अस्पतालों को पंजीकृत किया गया है, जहां दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल उपचार की सुविधा मिलेगी। सरकारी अस्पताल में सीएचसी तखतपुर, सीएचसी बिल्हा, सीएचसी मस्तूरी, सीएचसी कोटा, सिम्स बिलासपुर तथा जिला अस्पताल बिलासपुर शामिल हैं।

कतिया समाज ने धूमधाम से मनाया होली मिलन, महिला समिति गठन की घोषणा

बिलासपुर 11 मार्च (निस) होली और रंग पंचमी के पावन अवसर पर जिला कतिया समाज द्वारा छोटी कोनी स्थित समाज भवन में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के लोखण्डी, बड़ी कोनी, छोटी कोनी, पेन्ड्रीडीह, बिलासपुर और तूरकाडीह प्रभागों से पदाधिकारी एवं समाज के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली और रंग पंचमी की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 10 बजे बैठक के साथ हुई, जिसमें समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। दोपहर 2 बजे भोजनावकाश के बाद होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ त्योहार का आनंद लिया। जिला अध्यक्ष श्यामलाल गढ़ेवाल ने अपने प्रारंभिक संबोधन में सभी को होली और रंग पंचमी की बधाई देते हुए समाज को नई दिशा देने के लिए सभी के सहयोग पर जोर दिया। इस दौरान समाज के कई पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर समाज में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से जिला स्तर पर कतिया समाज महिला समिति के गठन की घोषणा भी की गई। इसके लिए सभी प्रभागों से कम से कम पांच महिलाओं के नाम प्रस्तावित कर सूची जिला स्तर पर सौंपने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में बड़ी कोनी के कोषाध्यक्ष यज्ञानंद गढ़ेवाल ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी प्रेम, एकता और भाईचारे को मजबूत करते हैं।

जनवरी में थोड़ी राहत, पर फीकल कोलीफार्म का स्तर चिंताजनक

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) दिल्ली में यमुना नदी का प्रदूषण पिछले वर्ष की तुलना में जनवरी में थोड़ा कम हुआ है, लेकिन अभी भी बहुत अधिक है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, फीकल कोलीफार्म और जैविक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) का स्तर मानक से काफी ऊपर है। दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने के बाद यमुना की सफाई के काम में तेजी आई है। इस कारण पिछले वर्ष जनवरी की तुलना में नदी का पानी कुछ साफ हुआ है, लेकिन प्रदूषण का स्तर अभी भी बहुत अधिक है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की नवीनतम रिपोर्ट में फीकल कोलीफार्म (मल-मूत्र से होने वाला प्रदूषण) का स्तर मानक से कहीं अधिक पाया गया है। यह दर्शाता है कि नदी में बड़ी मात्रा में अशोधित गंदा पानी मिल रहा है। डीपीसीसी प्रत्येक माह यमुना में प्रदूषण की स्थिति पर रिपोर्ट जारी करता है, लेकिन पिछले कुछ महीनों से नियमित रूप से रिपोर्ट नहीं आ रही थी। लगभग एक महीने की देरी से सोमवार को जनवरी और फरवरी की रिपोर्ट जारी की गई। इसमें फीकल कोलीफार्म के साथ ही जैविक आक्सीजन मांग (बीओडी) भी निर्धारित मानक से अधिक पाया गया है। पानी में फीकल कोलीफार्म का स्तर प्रति 100 मिलीलीटर अधिकतम 500 सर्वाधिक संभावित संख्या (एमपीएन) होना चाहिए। इसका स्तर 2,500 एमपीएन से अधिक होने पर पानी उपयोग योग्य नहीं रह जाता।

राज्यसभा नहीं, संगठन में जाएंगे दिग्गी राजा

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) मध्य प्रदेश से राज्यसभा के सांसद पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राज्यसभा का तीसरा कार्यकाल लेने से हाई कमान को इनकार कर दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा है, वह आखरी सांस तक कांग्रेस पार्टी की सेवा करते रहेंगे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी उन्हें जो भी दायित्व सौंपेगी, उसका वह पूरे मनोयोग से पालन करेंगे। उल्लेखनीय है ,सिंह का राज्यसभा कार्यकाल खत्म हो रहा है। उन्होंने स्वयं राज्यसभा का चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया है। कांग्रेस पार्टी में सक्रिय सदस्य के रूप में कार्य करेंगे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी जो भी जिम्मेदारी उन्हें देगी। उसका पालन वह करेंगे।

दिल्ली में मुंडका अंडरपास के गड्ढे बन रहे जानलेवा

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) मुंडका अंडरपास के पास सड़क पर गड्ढे और जलभराव हादसों का कारण बन रहे हैं। हाल ही में फ्रेंड्स एन्क्लेव चौक पर एक रिक्शा पलटने से सवारियों को मामूली चोटें आईं। बाहरी दिल्ली में मुंडका अंडरपास के नजदीक सड़क पर गड्ढे हादसों का कारण बन रहा है। फ्रेंड्स इन्क्लेव चौक पर सवारी लेकर जा रहा रिक्शा अचानक से पलट गया। हादसे में सवारियों को मामूली चोटें आई। चौगामा विकास समिति के महासचिव विजेंद्र सिंह डबास ने बताया कि यहां सड़क मार्ग पर लंबे समय से गड्ढे व जलभराव की स्थिति बनी हुई है। जिसकी शिकायत नरेला जोन के अधिशासी अभियंता मेंटेनेंस-2 को कई बार की जा चुकी है। लेकिन कोई संज्ञान नहीं लिया गया। इससे पहले नरेला जोन के उपायुक्त समस्या से अवगत कराया जा चुका है। इसके अलावा समय-समय पर समाचार पत्रों के माध्यम से इस मुद्दे को उठाया गया है। लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। जिसकी वजह से सड़क मार्ग पर दुर्घटना होती ही रहती है। मेरी दिल्ली नगर निगम के नवनियुक्त आयुक्त से अनुरोध है कि इस समस्या पर संज्ञान लें। ताकि क्षेत्रीय जनता सहित तमाम लोग सुगम व सुरक्षित रास्ता तय कर सके।

दिल्ली में सस्ते फ्लैट खरीदने का शानदार मौका

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) इस सप्ताह जनता आवास योजना के तहत 144 ईडब्ल्यूएस फ्लैटों का ड्रा निकालेगा। द्वारका मोड़ और चांदन होला गांव में स्थित इन फ्लैटों के लिए सैकड़ों खरीदारों ने आवेदन किया है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) जनता आवास योजना के तहत कुल 144 ईडब्ल्यूएस फ्लैटों का ड्रा इसी सप्ताह निकालेगा। डीडीए की इस किफायती आवास योजना के लिए सैकड़ों खरीदारों ने आवेदन किए हैं। डीडीए की ओर से इन फ्लैटों का आवंटन 13 मार्च से कंप्यूटर आधारित ड्रा के जरिए किया जाएगा। योजना के तहत द्वारका मोड़ मेट्रो स्टेशन के पास 82 और चांदन होला गांव में 62 ईडब्ल्यूएस फ्लैट बनाए गए हैं। डीडीए अधिकारियों ने बताया कि दोनों स्थानों पर यह फ्लैट निजी बिल्डरों ने बनाए हैं। द्वारका मोड़ मेट्रो स्टेशन के पास बने फ्लैटों का साइज 29.246 से 30.688 वर्ग मीटर है। इन फ्लैटों की कीमत 12.63 से 13.24 लाख रुपये तक हैं। वहीं, छतरपुर मेन रोड पर बने फ्लैटों का साइज 45.575 से 48.249 वर्ग मीटर तक है। यह फ्लैट 23.05 से 24.37 लाख रुपये तक के हैं।

प्रदूषण नियंत्रण के लिए आवंटित बजट का केवल 43 प्रतिशत ही किया जा सका खर्च

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के लिए आवंटित 300 करोड़ रुपये के बजट का केवल 43 प्रतिशत ही खर्च हो पाया है। आरटीआई से मिली जानकारी के अनुसार, 20 जनवरी, 2026 तक 129.83 करोड़ रुपये ही उपयोग किए गए। राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए आवंटित बजट के उपयोग को लेकर एक महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। सूचना के अधिकार आरटीआई के तहत मिले जवाब से पता चला है कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रदूषण नियंत्रण और आपातकालीन उपायों के तहत दिल्ली सरकार द्वारा आवंटित 300 करोड़ रुपये के बजट में से 20 जनवरी, 2026 तक केवल 43 प्रतिशत (लगभग 129.83 करोड़ रुपये) राशि ही खर्च की जा सकी है। आलम यह है कि दिल्ली सरकार वायु प्रदूषण से जंग के लिए केंद्र सरकार से मिला बजट भी खर्च नहीं कर पाई। विशेष रूप से पश्चिमी और मध्य दिल्ली के कई व्यस्त मार्ग इस समस्या से गंभीर रूप से प्रभावित बताए जाते हैं। इनमें पंखा रोड, मायापुरी मुख्य मार्ग, नजफगढ़ रोड, नांगलोईङ्कनजफगढ़ रोड, रोहतक रोड (नांगलोईङ्क पश्चिम विहार कॉरिडोर), तिलक नगरङ्कजनकपुरी मार्ग, पालमङ्क डाबड़ी रोड, भगवान महावीर मार्ग (उत्तम नगर), झड़ौदा कला मार्ग (नजफगढ़) और मंगोलपुरीङ्कसुल्तानपुरी मुख्य सड़क जैसे प्रमुख रास्ते शामिल हैं। पर्यावरण विभाग ने स्पष्ट किया कि वह प्रदूषण नियंत्रण के लिए डीडीए, एमसीडी और दिल्ली जल बोर्ड जैसी कई एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। नियमित रूप से समीक्षा बैठकें भी की जा रही हैं। हालांकि, जानकारों का मानना है कि बजट का समय पर उपयोग न होना दिल्ली की हवा सुधारने की कोशिशों में बाधा बन सकता है। चौंकाने वाली बात यह है कि कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए आवंटित करोड़ों रुपये का उपयोग अब तक शुरू ही नहीं हो पाया है। आरटीआई के अनुसार 20 जनवरी तक निम्नलिखित मदों में शून्य व्यय दर्ज किया गया।

घरेलू उत्पाद से चेहरा धोएं खिल जाएगी त्वचा

----**शहनाज़ हुसैन**

चेहरा धोने के लिए हम ज्यादातर नामी कम्पनियों के महंगे उत्पादों पर भरोसा करते हैं / बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के लुभाबने विज्ञापनों के जाल में फंस कर हम महंगे उत्पादों को खरीद लेते हैं जिनमे केमिकल्स होते हैं और उनको लगाने से चेहरे पर दाग , धब्बे उभरने शुरू हो जाते हैं और कुछ मामलों में कील , मुहांसे भी उभर आते हैं / ऐसे में चेहरा बदसुरत दिखना शुरू हो जाता है और हम टेंशन में आ जाते हैं / मेरा यह मानना है की अगर हम घरेलू हर्बल उत्पादों का चेहरा धोने में उपयोग करें तो कहीं बेहतर परिणाम नज़र आएंगे और जेब पर कोई बोझ भी नहीं पड़ेगा /

1 दूध ----

हल्दी.दूध फेस पैक

हल्दी और दूध का फेस पैक बनाने के लिए आधा छोटा चम्मच हल्दी में दो छोटा चम्मच दूध मिलाएं/ इसे अच्छी तरह से मिलाकर फेस पैक की तरह चेहरे पर अप्लाई करें/ फेस पैक को सूखने दें/ हल्के हाथों से रब करते हुए पानी से त्वचा को साफ कर लें/ हल्दी और दूध का फेस पैक को बनाने के लिए 2 चम्मच कच्चे दूध में चुटकी भर हल्दी डालकर अच्छे से मिश्रण बना लें / इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर आधा घण्टा तक छोड़ दें/ अब चेहरे को सामान्य ताजे पानी से लें / बेहतर परिणाम के लिए इस पैक को हफ्ते में दो या तीन बार लगाएं/ कच्चे दूध को कॉटन पैड की मदद से चेहरे पर लगाए और पांच मिनट तक चेहरे की क्लींजिंग करें / इसके बाद चेहरे को साफ़ ताजे पानी से धो डालें / कच्चा दूध कील मुहांसों को हटाने में मददगार सावित होता है और इसके नियमित इस्तेमाल से चेहरा कोमल और मुलायम हो जाता है /

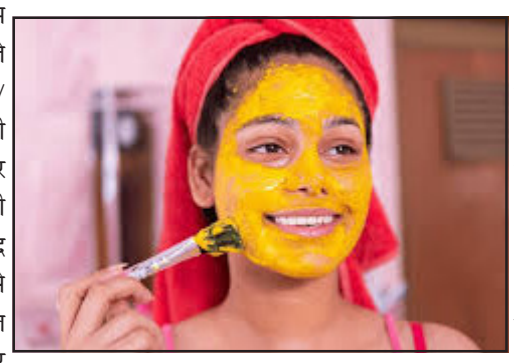

2 --------दही ------

दही स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होती है। आप दही को चेहरे पर किसी भी समय लगा सकते हैं। लेकिन चेहरे पर दही लगाने का सबसे सही समय सुबह और रात का है। अगर आप रोज सुबह चेहरे पर दही लगाएंगे, तो इससे त्वचा दिनभर फ्रेश और खिली-खिली नजर आएगी। रात में चेहरे पर दही लगाने से, त्वचा पर मौजूद सारी गंदगी और धूल-मिट्टी आसानी से निकल जाती है। इससे त्वचा पूरी तरह से साफ हो जाती है। इसलिए आपको सुबह और रात को चेहरे पर दही जरूर लगानी चाहिए।

पुराने समय से दही में बेसन और हल्दी मिक्स करके इस्तेमाल किया जा रहा है। आप भी 2 चम्मच दही लें। इसमें 2 चम्मच बेसन और चुटकी भर हल्दी मिलाएं। अब इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं। 20-25 मिनट बाद चेहरे को सादे पानी से धो लें। बेहतर रिजल्ट के लिए आप कुछ दिनों तक रोजाना चेहरे पर दही लगा सकते हैं। दही, बेसन और हल्दी का फेस पैक स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। यह पेस्ट सभी स्किन टाइप के लोगों के लिए अच्छा होता है। दही त्वचा को मुलायम बनाती है और बेसन त्वचा से अतिरिक्त तेल को सोखने में मदद करता है।

3 ---- एलो वेरा जेल से चेहरा साफ़ करें --------

ऐलोवेरा को घरेलू उपचार के तौर पर भी प्रयोग किया जा सकता है ऐलोवेरा जैल या जूस को त्वचा पर सीधा अप्लाई किया जा सकता है। पौधे से निकाला गया जैल पत्ते की लुगदी होती है तथा पत्तियों के अंदरूनी हिस्सों में पाई जाती है। पत्तियों के बाहरी भाग के नीचे से ऐलो जूस निकाला जाता है। ऐलोवेरा को घरेलू उपचार के तोर पर प्रयोग करने में पहले पौधे को पूरी तरह धो लेना चाहिए तथा पूरी स्वच्छता का ध्यान देना चाहिए।

ऐलोवेरा जूस या जैल को प्रतिदिन चेहरे पर 20 मिनट तक लगाकर साफ ताजे पानी से धो डालना चाहिए। यह त्वचा को मुलायम तथा आर्द्रता बनाए रखने में मदद करता है। यदि इसका नियमित रूप से सेवन किया जाए तो यह त्वचा के यौवन को बरकरार रखने में मददगार साबित होता है।

त्वचा में नमी प्रदान करने के लिए एक कटोरी में दो चम्मच एलो वेरा जैल और दो चम्मच बादाम तेल मिलाकर सोने से पहले चेहरे पर लगा लें

ऐलोवेरा गर्मियों में विशेष रूप से लाभदायक साबित होता है क्योंकि यह त्वचा के रूखेपन को दूर करके त्वचा की मुलायम संरचना को बरकरार रखता है। यह सूर्य की गर्मी से प्रभावित त्वचा को शांत करने में भी मदद प्रदान करता है। यह त्वचा को तैलीय बनाए बगैर त्वचा में नमी को बनाए रखने में मदद प्रदान करता है।

4 ------शहद से चेहरा साफ़ करें --------

शहद का इस्तेमाल मास्क से लेकर नेचुरल मॉइश्चराइज़र के रूप में किया जा सकता है।हमारी त्वचा को नमी चाहिए होती है।

मॉइस्चराइजर त्वचा को कोमल , स्वास्थ्यबर्धक और आकर्षक बनाए रखता है दो तीन चमच्च कच्चा दूध और इतनी ही मात्रा में कच्चा शहद लेकर इसका मिश्रण बना लें / इस मिश्रण को अपने चेहरे , गर्दन और शरीर के खुले भागों पर लगाए और अपनी उँगलियों से सर्कुलर मोशन में मालिश करें तथा आधा घण्टा बाद पानी से धो डालें /आप इसे दिन में दो बार उपयोग में ला सकते हैं अगर आपकी शुष्क त्वचा है तो एक चमच्च ताजे दही में आधा चमच्च कच्चा शहद मिलाकर बने मिश्रण को अपने चेहरे और गर्दन पर लगा कर 10 -15 मिनट तक मालिश करें / इसे थोड़े देर बाद पानी से धो डालें / आप इसे दो तीन दिनों तक नियमित रूप से लगा सकती हैं और यह आपकी त्वचा की रंगत में निखार लाने के साथ ही त्वचा को कोमल और मुलायम भी बनाएगा /अगर आप मुलायम त्वचा पाना चाहती हैं तो शहद का उपयोग करें। यह त्वचा को पोषण देने का काम करता है। त्वचा पर शहद लगाने से त्वचा में निखार आना शुरू हो जाता है / अगर आपकी त्वचा शुष्क है तो आप अपने चेहरे पर केवल शहद लगा सकती हैं। कम से कम 20 मिनट बाद सादे पानी से चेहरा साफ कर लें। आप चाहें तो शहद में नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाकर इसका उपयोग कर सकती हैं। ऐसा करने से आपका चेहरा मुलायम के साथ.साथ प्रकृतिक रूप से चमकने लगेगा।

परंपरागत परिधान साड़ी: हर बार एक नए लुक व अंदाज में पहने

साड़ी ऐसा परंपरागत परिधान है जो भारतीय महिलाओं की खास पसंद है। साड़ी की खासियत यह है कि इसे महिलाएं हर बार नए लुक व नए अंदाज में पहन सकती है। जिससे वे साड़ी में खुद को भीड़ से अलग तो दिखा ही सकती है। साथ ही पार्टी में आकर्षण का केंद्र बन सकती हैं।

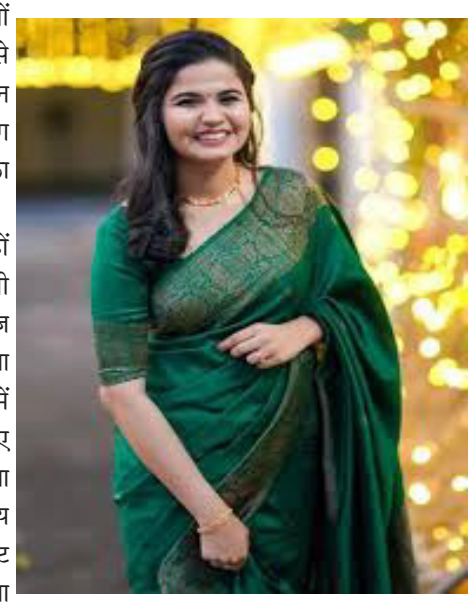

साड़ी को न केवल महिलाएं बल्कि शादी समारोहों सहित अन्य खास मौकों पर कॉलेज गोइंग गर्ल भी पहनती हैं लेकिन साड़ी बांधने का अलग अंदाज आपको भी शादी, पार्टी व अन्य मौकों पर खास बना सकता है। आपका साड़ी बांधने का अंदाज पार्टी में सभी को अपनी ओर आकर्षित कर सकता है। जानिए साड़ी बांधने के कौन-कौन से तरीके आप आजमा सकती हैं। यह स्टाइल सीजन में सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। इसमें आपको साड़ी को घुटने के पास से टाइट रखना होता है और नीचे की ओर से घेरा नजर आता है। आप इस स्टाइल को ब्राइट कलर्स के साथ आजमा सकती है।यदि साड़ी पर फ्लोरल प्रिंट होगा तो वो अलग निखर आएगा और आपको पार्टी में सभी के बीच अलग ही लुक प्रदान करेगा।

लहंगा स्टाइल लुक--इन दिनों लहंगा स्टाइल की साडियों का भी काफी क्रेज दिखाई दे रहा है। अधिकांश शादी समारोह में युवतियां भी इस इस स्टाइल को काफी लाइक कर रहीं हैं। घांघरा स्टाइल के लिए प्लीट्स की मदद से साड़ी को बंधा जाता है। प्लीट्स के जरिए बांधी गई साड़ी आपको लहंगे का लुक प्रदान करती है।

रेट्रो लुक--साड़ी पहनने के परंपरागत स्टाइल को आप जूड़े के साथ मैच करने को रेट्रो लुक कहते हैं। यदि आप पतली हैं तो यह लुक आप पर बहुत अच्छा लगेगा। इस लुक का प्रयोग आप बाजार में आने जाने के लिए भी कर सकते हैं। रेट्रो लुक की साड़ी शादी के अलावा अन्य कार्यक्रमों में भी पहनी जा सकती है।

ब्लाउज भी नये पैटर्न में -अलग अलग लुक में जहां महिलाओं के बीच साड़ी का क्रेज बड़ा है। साडियों की स्टाइल के साथ ही ब्लाउज के कट पर भी विशेष प्रयोग किए जा सकते हैं। जैसे डीप गला, फुल कवर, फुल आस्तीन जैसी ब्लाउज चलन में हैं।

कामकाजी महिलाएं दिल के स्वास्थ्य को लेकर रहें सतर्क

महिलाओं में दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ता ही जा रहा है! महिलाओं में ऐसा ज्यादा देखा गया है कि वे दिल की बीमारियों के शुरुआती लक्षणों को अनदेखा कर देती हैं, जिसके कारण इलाज में देरी हो सकती है। महिलाओं में दिखने वाले ये लक्षण, हमेशा ऐसी बीमारियों के समझे जाते हैं, जो कम गंभीर होती है. ऐसे में महिलाओं में हार्ट की बीमारियों के लक्षणों को पहचानना जरूरी है, ताकि समय रहते लोगों को बचाया जा सके.

थका हुआ महसूस करना--अगर अच्छे से आराम करने के बाद भी आपको हर वक्त थकावट महसूस होती है, तो यह हार्ट की किसी समस्या के कारण हो सकता है। वहीं अगर रोजमर्रा के कामों से आप जल्दी थक जाती हैं और शरीर में एनर्जी की कमी महसूस होती है. तो ऐसे लक्षणों को आपको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. ।सांस लेने में परेशानी--हार्ट की समस्या होने पर सांस लेने में भी परेशानी होने लगती है। ऐसी स्थिति में हल्का काम करने या आराम करने के दौरान व्यक्ति को सांस लेने में दिक्कत होने लगती है! यह हार्ट की बीमारी की तरफ इशारा करता है। सांस लेने में हो रही ऐसे परेशानियों को महिलाएं अक्सर चिंता और रेस्पिरेटरी प्रॉब्लम्स का कारण समझ लेती हैं।

सीने में दबाव या असहजता--हार्ट की समस्या होने पर महिलाओं को सीने में दबाव या असहजता महसूस होती है। ऐसी स्थिति में महिलाओं को ज्यादातर सीने में कसाव, दबाव या असहजता महसूस हो सकती है. यह असहजता लगातार नहीं होती, बल्कि धीरे-धीरे महसूस होती है।

गले, जबड़े, पीठ या कंधों में दर्द

आपको बता दें, दिल में समस्या होने पर हमेशा सीने में ही दर्द नहीं होता। महिलाओं में हार्ट में दिक्कत होने पर गले, जबड़े, पीठ या कंधों में भी दर्द हो सकता है। लेकिन इसे महिलाएं मसल्स स्ट्रेन समझ लेती हैं. उल्टी, गैस या पेट में समस्या -कई महिलाओं में हार्ट की समस्याओं के लक्षण डाइजेशन से जुड़ी समस्याओं के रूप में दिखते हैं. अगर आप पेट में भारीपन, हार्टबर्न, उल्टी या गैस जैसी समस्याओं से घिरे रहती हैं, तो यह हार्ट की किसी गंभीर समस्या का कारण हो सकता है।

नरम त्वचा के लिए फेस सीरम अधिक कारगर

अगर आप अपने रोजाना के ब्यूटी रूटीन में कुछ आसान से बदलाव कर लें तो अच्छी त्वचा पाना बेहद आसान हो जाएगा। ऐसा करने का एक सबसे बेहतरीन तरीका है स्किन केयर प्रॉडक्ट्स में सीरम को शामिल करना।

सीरम लाइट वेट लिक्विड्स होते हैं, जिनमें त्वचा को फायदा पहुंचाने वाले ऐक्टिव इन्ग्रीडिएंट्स हाई कॉन्संट्रेशन में मौजूद होते हैं। ये इन्ग्रेडिएंट्स त्वचा को सेहतमंद बनाने वाले मुख्य तत्वों के रूप में काम करते हैं।लेकिन एक ही सीरम हर किसी के लिए ठीक हो यह जरूरी नहीं। सीरम को लेकर इन बातों का ध्यान रखें।

सीरम एक ऐसा प्रॉडक्ट है जिसमें स्किनकेयर को विस्तार देने की क्षमता है। यह त्वचा की कुछ खास समस्याओं को ध्यान में रखकर बनाया जाता है जैसे- उम्र के साथ त्वचा पर दिखने वाली बारीक रेखाएं, झुर्रियां, पिगमेंटेशन, स्किन की नीरसता और रोमछिद्रों का बड़ा हो जाना। सीरम को त्वचा पर सीधे लगाया

जाता है, जहां से ये समस्याएं शुरू होती हैं, ये स्किन की ऊपरी लेयर को भेदकर उस जगह पहुंचकर उसको ठीक करते हैं, जहां से यह समस्याएं पैदा होती हैं। इसलिए अगर स्किन की कोई ऐसी समस्या है जिससे आप लंबे समय से जूझ रही हैं तो सीरम इस समस्या को दूर करने के लिए बेस्ट स्किन एजेंट है। जिन महिलाओं की त्वचा हेल्दी है वे भी विटमिन्स और प्लांट एक्सट्रैक्ट वाले सीरम को अपने डेली रूटीन में शामिल कर सकती हैं। इस तरह के डेली विअर सीरम अपनी ऐंटीऑक्सिडेंट प्रॉपर्टी के साथ आपकी त्वचा को रिपेयर करते हैं और हर मौसम में बैलेंस बनाए रखते हैं।

लगाने का सही तरीका

अच्छी स्किन केयर का सीक्रेट है इसे सही तरीके से लगाना। इसलिए आपको यह पता होना जरूरी है कि किस ऑर्डर में क्लींजिंग, टोनिंग, इनरिचिंग और मॉइश्चराइजिंग होनी चाहिए। स्किन को नरिशमेंट देने के स्टेप्स में क्लींजिंग और टोनिंग के बाद तीसरे नंबर पर आता है सीरम लगाना। इसे लगाने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि इसे दो उंगलियों से लगाएं ताकि यह फैले नहीं और दिन का वक्त हो तो सीरम के बाद सनस्क्रीन लगाएं और रात का वक्त हो तो एक अच्छा मॉइश्चराइजर अप्लाई करें।

अपनी त्वचा के लिए बेस्ट सीरम का चुनाव-अंदरूनी और बाहरी वातावरण में सक्रिय चीजों के अनुरूप अलग-अलग तरह की स्किन अलग-अलग तरह से प्रतिक्रिया देती है। यही वजह है कि बाजार में मौजूद रेग्युलर स्किन सीरम के अलावा आप अपनी स्किन की खास परेशानियों को ध्यान में रखते हुए ऐसे सीरम का चुनाव कर सकती हैं, जो स्किन को गहराई से ठीक कर सके। स्किन में कोलाजन और इलास्टिन बॉन्ड को टूटने से बचाने और बढ़ती उम्र के प्रभावों को रोकने के लिए आप ऐसे सीरम का इस्तेमाल कर सकती हैं जिनमें रेटिनॉल, पेप्टाइड्स या ऐंटिऑक्सिडेंट्स मौजूद हों। अच्छे सीरम में पेप्टाइट्ज, स्टेम सेल्स और विटमिन्स जैसे बढ़िया तत्व मौजूद होते हैं और फिलर्स नहीं होते, यही वजह है वे थोड़े महंगे हो सकते हैं।

घी से होगी कोमल और मुलायम त्वचा -आजकल अपने को फिट स्लिम रखने के कारण महिलाएं घी के इस्तेमाल से दूर रहती हैं। अगर आप भी उनमें से एक हैं तो अब अपनी लाइफस्टाइल में घी शामिल करने का समय आ गया है क्योंकि घी के कई फायदे भी हैं। आपको जानकर हैरानी होगी की सर्दियों में घी के इस्तेमाल से आप त्वचा की कई समस्याओं से राहत पा सकती हैं। अगर आपकी ड्राई स्किन है तो घी आपकी समस्या का हल है। ड्राई स्किन से राहत पाने के लिए घी की कुछ बूंदें लेकर त्वचा पर कुछ मिनटों तक मालिश करें। इससे त्वचा नरम और कोमल बनेगी। झुर्रियों को दूर करता है- घी का तड़का खाने का स्वाद तो बढ़ाता ही है साथ ही आपकी त्वचा को लंबे समय तक जवां रखने में मदद करता है। दरअसल, घी में विटामिन ई पाया जाता है, जो त्वचा की झुर्रियों को दूर करता है। अगर आपकी आंखों के नीचें डार्क सर्कल्स अधिक दिखाई देने लगे हैं तो परेशान । बल्कि आंखें के चारों ओर घी की 1-2 बूंदें लेकर मसाज करें। डार्क सर्कल कम हो जाएंगे पर ध्यान रखें कि घी आंखों के अंदर न जाए।

आधुनिक संदर्भ में पिता-पुत्र संस्कृति को नया आयाम दें

राष्ट्रीय पुत्र दिवस, जो प्रतिवर्ष 4 मार्च को मनाया जाता है, केवल एक पिता-पुत्र संस्कृति को जीवंतता देने का ही उत्सव नहीं है, बल्कि भारतीय परिवार व्यवस्था की आत्मा को स्पर्श करने वाला अवसर है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि पुत्र केवल परिवार की वंश परंपरा का वाहक नहीं, बल्कि संस्कारों, उत्तरदायित्वों और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतिनिधि है। आधुनिक समय में जब संयुक्त परिवार बिखर रहे हैं, पीढ़ियों के बीच संवाद कम हो रहा है और विशेष रूप से पिता और पुत्र के बीच मानसिक दूरी बढ़ती जा रही है, तब यह दिवस एक गहन आत्ममंथन का अवसर बन जाता है। भारतीय चिंतन में पुत्र का अर्थ केवल जन्म से जुड़ा नहीं है। शास्त्रों में कहा गया है-पुंनाम्नो नरकाद् यः त्रायते सः पुत्रः अर्थात जो कुल और संस्कृति को पतन से बचाए वही सच्चा पुत्र है। इस परिभाषा में पुत्र को एक उत्तरदायी व्यक्तित्व के रूप में देखा गया है, जो अपने आचरण से परिवार की मर्यादा और मूल्यों की रक्षा करता है। हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जिन्होंने पुत्र धर्म को सर्वोच्च आदर्श के रूप में स्थापित किया। भगवान श्रीराम का जीवन इसका सर्वोत्तम उदाहरण है। जब राजा दशरथ ने परिस्थितिवश उन्हें चौदह वर्ष का वनवास दिया, तब श्रीराम ने बिना किसी विरोध, बिना किसी आक्रोश के पिता की आज्ञा को धर्म मानकर स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि परिवार और वचन की मर्यादा को सर्वोपरि रखने का संदेश था। श्रीराम ने यह सिद्ध किया कि अधिकारों से पहले कर्तव्य आते हैं और व्यक्तिगत सुख से ऊपर परिवार की प्रतिष्ठा होती है। आज का युग अधिकारों की चर्चा करता है, परंतु कर्तव्यों का स्मरण कम होता है। यही कारण है कि पिता-पुत्र संबंधों में संवाद का अभाव दिखाई देता है। पिता अक्सर अपने उत्तरदायित्वों की दौ? में व्यस्त है और पुत्र प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के दबाव में उलझा हुआ है। दोनों के बीच भावनाओं का पुल कमजोर होता जा रहा है। ऐसे में राष्ट्रीय पुत्र दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम इस दूरी को कम करें। पुत्र को केवल आर्थिक साधन या भौतिक सुविधाएँ नहीं चाहिए, उसे चाहिए समय, स्नेह और समझ। जब पिता अपने पुत्र के साथ बैठकर उसके सपनों, उसके डर,

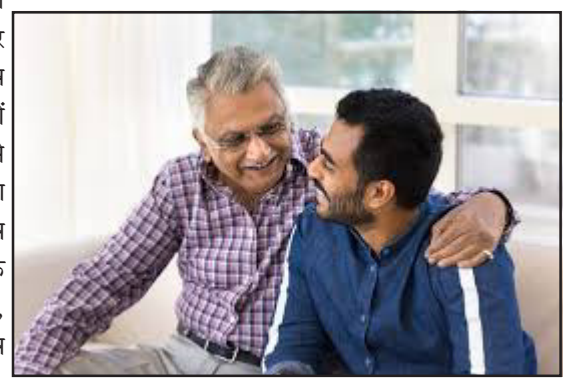

उसकी असफलताओं और उसकी आकांक्षाओं पर खुलकर बात करता है, तब संबंधों में विश्वास का संचार होता है। यही विश्वास भविष्य की मजबूत नींव बनता है।आधुनिक संदर्भ में पुत्र के सामने चुनौतियाँ भी नई हैं। करियर की अनिश्चितता, सोशल मीडिया का प्रभाव, मानसिक तनाव और मूल्य भ्रम उसे अक्सर द्वंद्व में डाल देते हैं। समाज ने लड़कों से अपेक्षा की है कि वे कठोर बनें, अपनी भावनाएँ न प्रकट करें, हर परिस्थिति में मजबूत दिखें। परिणामस्वरूप कई बार वे भीतर से अकेले और दबावग्रस्त हो जाते हैं। राष्ट्रीय पुत्र दिवस इस मानसिक स्वास्थ्य के विषय को भी छूता है। यह माता-पिता को प्रेरित करता है कि वे अपने पुत्र से पूछें-तुम सच में कैसा महसूस कर रहे हो? यह एक साधारण प्रश्न नहीं, बल्कि संवेदनशीलता की शुरुआत है। जब पुत्र को यह अनुभव होता है कि वह सुना जा रहा है, समझा जा रहा है, तब उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। भारतीय संस्कृति में पिता केवल अनुशासन का प्रतीक नहीं, बल्कि आदर्श का आधार रहा है। पुत्र वही सीखता है जो वह अपने पिता के आचरण में देखता है। यदि पिता सत्यनिष्ठ है, तो पुत्र में भी सत्य के प्रति सम्मान विकसित होगा। यदि पिता संयमी और धैर्यवान है, तो पुत्र भी वही गुण आत्मसात करेगा। इसलिए पिता की भूमिका केवल निर्देश देने की नहीं, बल्कि उदाहरण प्रस्तुत करने की है। श्रीराम ने केवल दशरथ की आज्ञा का पालन नहीं किया, बल्कि रघुकुल की उस परंपरा को जीवित रखा जिसमें वचन और मर्यादा सर्वोपरि मानी जाती थी। यह परंपरा केवल अतीत की कहानी नहीं, बल्कि वर्तमान की आवश्यकता है।

भारतीय लोक-स्मृति में श्रवण कुमार पुत्र धर्म के सर्वोच्च प्रतीक माने जाते हैं। उन्होंने अपने नेत्रहीन माता-पिता को कंधों पर बिठाकर तीर्थयात्रा कराते हुए यह सिद्ध किया कि सेवा केवल कर्तव्य नहीं, प्रेम का उत्कर्ष है। आधुनिक युग में यद्यपि परिस्थितियाँ बदल गई हैं, जीवन की गति तेज हो गई है और करियर की चुनौतियाँ अधिक जटिल हो गई हैं, फिर भी श्रवण का आदर्श अप्रासंगिक नहीं हुआ; बल्कि वह और अधिक आवश्यक हो गया है। आज के पुत्र का दायित्व है कि वह माता-पिता के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ा रहे, उनसे संवाद बनाए रखे और उनकी आवश्यकताओं को समझे। सेवा का अर्थ अब केवल शारीरिक श्रम नहीं, बल्कि समय देना, उनकी बात सुनना, उनके एकाकीपन को समझना और उनके आत्मसम्मान की रक्षा करना है। भौतिक आकांक्षाओं की अंधी दौड़ में यदि माता-पिता उपेक्षित हो जाएँ, तो सफलता खोखली हो जाती है। त्याग का अर्थ यह नहीं कि करियर छोड़ दिया जाए, बल्कि यह है कि प्राथमिकताओं में परिवार को स्थान दिया जाए-व्यस्त दिनचर्या में भी नियमित संवाद, स्वास्थ्य का ध्यान, आवश्यक सहयोग और निर्णयों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। आधुनिक पुत्र अपने पेशेवर जीवन की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए भी पारिवारिक जिम्मेदारियों का संतुलित निर्वाह कर सकता है, यदि वह अपने भीतर यह भाव जागृत रखे कि माता-पिता उसके अस्तित्व की जड़ हैं। जब करियर और कर्तव्य के बीच संतुलन स्थापित होता है, तब श्रवण की सेवा-भावना आधुनिक जीवन में जीवंत हो उठती है और पुत्र धर्म केवल कथा नहीं, व्यवहार बन जाता है।

पुत्र की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। आधुनिक स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि वह परिवार से विमुख हो जाए। सच्ची स्वतंत्रता वही है जिसमें व्यक्ति अपनी जड़ों से जुड़ा रहे और अपने मूल्यों का सम्मान करे। पुत्र यदि अपने करियर में सफल होता है परंतु परिवार से दूर हो जाता है, तो वह सफलता अधूरी रह जाती है। परिवार की शक्ति केवल आर्थिक समृद्धि में नहीं, बल्कि भावनात्मक एकता में है। जब पुत्र अपने माता-पिता के त्याग और संघर्ष को समझता है, उनका सम्मान करता है और वृद्धावस्था में उनका सहारा बनता है, तब वह पुत्र धर्म का वास्तविक निर्वाह करता है। पुत्र केवल परिवार की आशा नहीं, राष्ट्र की संभावना भी है। इतिहास गवाह है कि जब-जब युवाओं ने अपने कर्तव्यों को पहचाना, तब-तब समाज में परिवर्तन आया। आज आवश्यकता है कि पुत्र संस्कृति को राष्ट्र निर्माण से जोड़ा जाए।

कुरुक्षेत्र में एलपीजी गैस की किल्लत पर कांग्रेस का हमला, लोगों की लगी लंबी कतारें

कुरुक्षेत्र, 11 मार्च (करणदीप सिंह) : शहर और आसपास के क्षेत्रों में एलपीजी गैस की किल्लत को लेकर आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गैस एजेंसियों के बाहर लोगों की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस युवा जिला अध्यक्ष कुलदीप ढिल्लों हथीरा ने बीजेपी सरकार पर निशाना साधा। कुलदीप ढिल्लों हथीरा ने कहा कि प्रदेश और केंद्र में बीजेपी की सरकार होने के बावजूद लोगों को रसोई गैस जैसी जरूरी सुविधा के लिए घंटों लाइन में खड़ा होना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों और व्यवस्थाओं की कमी के कारण आम जनता परेशान है। उन्होंने कहा कि महिलाओं, बुजुर्गों और कामकाजी लोगों को सुबह से गैस एजेंसियों के बाहर इंतजार करना पड़ रहा है, लेकिन फिर भी कई लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की कि एलपीजी गैस की सप्लाई व्यवस्था को तुरंत सुधारते हुए आम लोगों को राहत दी जाए। कांग्रेस नेता ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही गैस की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो कांग्रेस कार्यकर्ता जनता के साथ मिलकर सड़कों पर रोष प्रकट करने को मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा आम जनता की समस्याओं को उठाती रही है और आगे भी उठाती रहेगी। स्थानीय लोगों ने भी गैस की कमी पर नाराजगी जताई और प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की है।

अच्छी पैदावार लेने के लिए किसान अंधाधुंध रसायनिक खाद व दवाईयों का इस्तेमाल कर, लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा विपरित प्रभाव : राजकुमार भार्गव

चिड़ाव, 11 मार्च (प्रवीन कुमार) : प्रगतिशील किसान राजकुमार भार्गव ने बताया कि फसलों की अच्छी पैदावार लेने के लिए किसान अंधाधुंध रसायनिक खाद व दवाईयों का इस्तेमाल कर रहे है। जिसका विपरित प्रभाव लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। रासायनिक दवाईयों व उर्वरकों के अधिक इस्तेमाल से भूमि की संरचना लगातार बिगड़ रही है। फसल की बिजाई से कटाई तक फसलों में इनका इस्तेमाल किया जाता है। जिससे हमारा खाने योग्य अनाज जहरीला बनता जा रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप लोग नाना प्रकार की बीमारियों के शिकार हो रहे है। प्रगतिशील किसान राजकुमार भार्गव किसान वेलफेयर क्लब की मासिक बैठक में क्लब के जिला अध्यक्ष ईलम सिंह गोरसी की अध्यक्षता में किसानों को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। मासिक बैठक में डा.धर्मवीर,डा. अमित,डा. किरण खोखर सहित अन्य कृषि वैज्ञानिक ने भी किसानों को जानकारी दी। राजकुमार भार्गव ने कहा कि फसलों में प्रयुक्त होने वाले रसायनों सिंचाई के बाद ब्लीच होकर भूमिगत जल में मिलकर उसे प्रदूषित कर रहे हैं, जो भविष्य के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। जिसको लेकर कुछ जागरूक किसान इस बात को भली भांति समझते हुए खुद के इस्तेमाल के लिए रसायन रहित फसल करने लगे है। उन्होंने बताया कि जिसमें यूरिया खाद नाममात्र डाला जाता है। उन्होंने बताया कि वे अपने खाने योग्य गेंहू की बिजाई उस खेत में करते है, जिसमें बीते वर्ष चारें की फसल की गई थी,ताकि फसल में खरपतवारों का जमाव न हो। जिसके लिए उन्हें फसल में खरपतवार नाशक दवा का छिडक़ाव करने की जरूरत ही न पड़े। भार्गव ने बताया कि वह फसल में यूरिया की बजाय गोबर की खाद का इस्तेमाल करते है, ताकि कम खर्च पर फसल की अच्छी पैदावार ली जा सके। जिससे उनका खाने योग्य अनाज भी रसायन रहित होगा। जिसके इस्तेमाल से स्वास्थ्य पर विपरित असर भी नही पड़ेगा। इसके साथ ही पर्यावरण को प्रदूषण रहित व भूमि का स्वास्थ्य बरकरार रहता है। भार्गव ने बताया कि जिससे किसानों का रूझान गोबर निर्मित खाद से फसल की पैदावार लेने की तरफ बढ़ रहा है, ताकि फसल की पैदावार पर होने वाले खर्च को कम करने के साथ ही स्वास्थ्य भी प्रभावित न हो।

इस मौके पर बैंक मनेजर सतपाल राणा, ईश्वर,रोशन लाल, गुरचरण सिंह, गोविंदलाल, ओमपाल राणा, देशराज सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

एंटी व्हीकल थेफ्ट सेल की टीम ने एक बाइक चोर को किया गिरफ्तार

यमुनानगर, 11 मार्च (दिनेश कुमार) : पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल के मार्गदर्शन में कार्य करते हुए एंटी व्हीकल थेप्ट सेल की टीम ने नाकाबंदी के दौरान से एक युवक को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी से चोरी की एक बाइक बरामद हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इंचार्ज राजेश कुमार ने बताया कि उनकी टीम को गुप्त सूचना मिली थी एक युवक चोरी की बाइक को लेकर शादीपुर होता हुआ जाएगा। इस सूचना के आधार पर मुख्य सिपाही रणधीर सिंह, रविंदर, नरेश, योगेश के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने मौके पर जाकर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू कर दी। कुछ देर बाद एक युवक बाइक में आता दिखाई दिया। टीम ने उसे रोककर जांच की तो उनके पास से चोरी की बाइक बरामद हुई। आरोपी ने यह बाइक 1 मार्च को यमुना गली से चोरी की थी। पूछताछ में जिसकी पहचान आफताब पुत्र मोमिन निवासी रायपुर कॉलोनी के नाम से हुई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

नरवाना के सच्चा खेड़ा में दुग्ध प्रसंस्करण व ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का शुभारंभ, ग्रामीणों को स्वरोजगार की दिशा में प्रोत्साहन

नरवाना, 11 मार्च (नरेन्द्र कुमार) : पंजाब नेशनल बैंक किसान प्रशिक्षण केंद्र सच्चा खेड़ा द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के किसानों और महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में गांव रसीदा में 5 दिवसीय दुग्ध प्रसंस्करण एवं उसके संरक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र, हिसार के वित्तीय सहयोग से एससी/एसपी योजना के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है,जिसमें 30 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को दूध से बनने वाले विभिन्न उत्पाद जैसे दही, पनीर, घी, मक्खन और खोया आदि तैयार करने की विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही दुग्ध उत्पादों को अधिक समय तक सुरक्षित रखने की आधुनिक तकनीकों से भी अवगत कराया जा रहा है।इस अवसर पर केंद्र निदेशक हितेश कालरा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसान दूध को केवल बेचने की बजाय उससे विभिन्न उत्पाद तैयार करें तो वे अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण में सिखाई जा रही तकनीकों को अपनाकर स्वरोजगार शुरू करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा जिससे वे इस कार्य को आसानी से सीख सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।इसके अलावा 10 मार्च 2026 को पीएनबीएफटीसी सच्चा खेड़ा में राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र हिसार के सहयोग से एससी/एसपी योजना के तहत दीप प्रज्वलन के साथ 15 दिवसीय ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षणकार्यक्रम का भी शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को ब्यूटी पार्लर से संबंधित विभिन्न कौशल सिखाए जाएंगे ताकि वे इस क्षेत्र में स्वरोजगार शुरू कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

एसएमडीए द्वारा गांव कुमासपुर व खेवड़ा की राजस्व भूमि पर अवैध निर्माणों को किया गया ध्वस्त : डीटीपी नीलम शर्मा

सोनीपत, 11 मार्च (ब्यूरो) : सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण(एसएमडीए) से जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) नीलम शर्मा ने बताया कि जिले में अवैध निर्माणों को प्रारंभिक चरण में ही ध्वस्त करने के लिए उपायुक्त सुशील सारवान के निर्देशानुसार प्रशासन द्वारा सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को एसएमडीए की टीम ने गांव कुमासपुर व खेवड़ा राजस्व संपदा के नियंत्रित क्षेत्र में किए जा रहे अवैध निर्माणों पर तोडफ़ोड़ की कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि इस दौरान गांव कुमासपुर में 12 दुकानों तथा 02 बाउंडरी वॉल तथा गांव खेवड़ा में 01 औद्योगिक निर्माण, 01 टायल फैक्टरी तथा लेबर क्वार्टर को ध्वस्त किया गया। डीटीपी नीलम शर्मा ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि अवैध कॉलोनियों में प्लॉट न खरीदें। ऐसी कॉलोनियों में सरकार द्वारा कोई भी मूलभूत सुविधा जैसे सडक, पानी, सीवरेज या बिजली प्रदान नहीं की जाती। इससे आपकी मेहनत की कमाई जोखिम में पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि प्लॉट खरीदने से पूर्व यह सुनिश्चित करें कि संबंधित कॉलोनी नियमानुसार स्वीकृत है अथवा नहीं।

उन्होंने कहा कि नियंत्रित क्षेत्र में किसी भी तरह का निर्माण करने से पूर्व एसएमडीए के सीईओ से अनुमति लेना अनिवार्य है अन्यथा एसएमडीए द्वारा अवैध कालोनी/निर्माण को किसी भी समय नियंत्रित क्षेत्र अधिनियम के प्रावधान में गिराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कोई भी नागरिक संबंधित जानकारी के लिए सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण कार्यालय, चौथा तल, काराधान विभाग, सेक्टर-12, सोनीपत में सम्पर्क कर सकता है। तोडफोड की कार्यवाही ड्यूटी मैजिस्ट्रेट जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एसडीओ विरेन्द्र जैन तथा एसएमडीए इंफोरर्समेंट व पुलिस टीम की मौजूदगी में की गई।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता के चयन के लिए ट्रायल 13 मार्च को : डीएसओ राज रानी

कैथल, 11 मार्च (सुरेंद्र कुमार) : जिला खेल अधिकारी राज रानी ने बताया कि अखिल भारतीय सिविल सेवा वॉलीबॉल प्रतियोगिता (पुरुष व महिला) 2025-26 का आयोजन 20 से 25 मार्च तक स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल एसयू ब्लॉक पीतमपुरा दिल्ली में किया जा रहा है।

इसमें हरियाणा की ओर से वॉलीबॉल टीम में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का चयन 13 मार्च को सुबह 10 बजे द्रोणाचार्य स्टेडियम कुरुक्षेत्र में किया जाएगा। जिला खेल अधिकारी ने बताया कि विभाग, कार्यालय, जिला के अधिकारियों व कर्मचारियों को जो इस खेल के उत्कृष्ट खिलाड़ी हैं, उन्हें इस चयन सफलता में विशेष खेल अवकाश तथा अन्य सुविधाएं देकर भेंजे।

साथ ही उन्हें ये प्रमाण-पत्र भी दें कि वे इस विभाग व कार्यालय के सरकारी कर्मचारी व अधिकारी हैं। इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए आने व जाने का किराया संबंधित विभाग व खिलाड़ियों द्वारा वहन किया जाएगा। इसमें भाग लेने वाले अधिकारी व कर्मचारी टीए व डीए अपने विभाग से लेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि केंद्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक एवं खेल बोर्ड की हिदायतों के अनुसार रक्षा सेवाओं, अर्धसैनिक बलों, केंद्रीय पुलिस संगठनों, पुलिस, आरपीएफ, सीआईएसएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और एनएसजी के वर्दीधारी कर्मी, स्वायत्त निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के कर्मचारी, दिहाड़ी एवं कैजुअल श्रमिक, अस्थायी ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी तथा नए भर्ती हुए कर्मचारी, जिन्होंने नियमित सेवा में छह महीने से कम समय पूरा किया हो, वे कर्मचारी इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पात्र नहीं होंगे।

सरकार सावधान, खेती से खिलवाड़ बंद करो

बेंगलुरु में किसान नेता राकेश टिकैत और रतन मान समेत अर्थशास्त्रियों की चेतावनी अमेरिका से प्रस्तावित व्यापार समझौता किसानों के लिए बन सकता है बड़ा संकट

करनाल, 11 मार्च (रविन्द्र मलिक) : भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर बेंगलुरु में आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में देशभर से आए किसान नेताओं, कृषि विशेषज्ञों और अर्थशास्त्रियों ने केंद्र सरकार को कड़ी चेतावनी दी। वक्ताओं ने कहा कि यदि मौजूदा शर्तों पर यह समझौता लागू किया गया तो भारत की खेती, किसानों की आय, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन के प्रमुख राकेश टिकैत और हरियाणा के किसान नेता रतन मान विशेष रूप से मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने स्पष्ट कहा कि किसानों के हितों को नजरअंदाज करके किया गया कोई भी व्यापार समझौता देश के किसानों के लिए घातक साबित हो सकता है। खेती केवल व्यापार नहीं, देश की खाद्य सुरक्षा का आधार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राकेश टिकैत ने कहा कि खेती केवल आर्थिक गतिविधि नहीं बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा और करोड़ों किसानों के जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यापार समझौते के कारण किसानों की आय घटती है या खेती पर संकट आता है तो किसान चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को किसी भी अंतरराष्ट्रीय समझौते से पहले किसानों, राज्यों और कृषि विशेषज्ञों से व्यापक चर्चा करनी चाहिए। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय भविष्य में देश की कृषि व्यवस्था को कमजोर कर सकता है। विदेशी कंपनियों के लिए खुल सकता है भारतीय कृषि बाजार हरियाणा के किसान नेता रतन मान ने कहा कि प्रस्तावित व्यापार समझौते की शर्तों से भारतीय कृषि बाजार विदेशी कंपनियों और बहुराष्ट्रीय व्यापारिक कंपनियों के लिए खुल सकता है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा हुआ तो छोटे और मध्यम किसानों के लिए प्रतिस्पर्धा करना लगभग असंभव हो जाएगा। विदेशी कंपनियां बड़े पैमाने पर सस्ते उत्पाद भारत में ला सकती हैं, जिससे देश के किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिलना और भी कठिन हो जाएगा।

असमान आयात शुल्क से बढ़ेगी किसानों की मुश्किल : संगोष्ठी में मौजूद अर्थशास्त्रियों ने बताया कि अमेरिका अपने कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क लगभग 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 23 प्रतिशत या उससे अधिक कर सकता है, जबकि भारत से कई कृषि उत्पादों पर 39 प्रतिशत तक का आयात शुल्क घटाकर शून्य करने का दबाव बनाया जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी असमान शर्तें भारत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती हैं। इससे विदेशी उत्पाद भारतीय बाजार में अधिक मात्रा में आएंगे और देश के किसानों की उपज की मांग घट सकती है। न्यूनतम समर्थन मूल्य और कृषि सहायता पर बढ़ सकता है दबाव चिंता जताई गई कि यदि यह व्यापार समझौता लागू होता है तो भारत की न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था और किसानों को मिलने वाली कृषि सहायता योजनाओं पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ सकता है। विशेषज्ञों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों के कारण सरकार पर कृषि सहायता कम करने का दबाव बन सकता है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति और कमजोर हो सकती है।

छोटे किसानों पर सबसे अधिक असर : वक्ताओं ने कहा कि भारत में अधिकांश किसान छोटे और सीमांत किसान हैं। यदि कृषि बाजार विदेशी कंपनियों के लिए पूरी तरह खुल गया तो सबसे अधिक नुकसान इन्हीं किसानों को होगा। सस्ते आयातित कृषि उत्पादों के कारण स्थानीय उत्पादन पर दबाव बढ़ेगा, जिससे खेती की लागत निकालना भी कई किसानों के लिए कठिन हो सकता है।

दयालु-2 योजना के तहत प्राप्त आवेदनों पर समयबद्ध एवं नियमानुसार लिया जाए निर्णय : योगेश कुमार मेहता

दयालु-2 योजना के क्रियान्वयन को लेकर एडीसी योगेश कुमार मेहता ने ली जिला स्तरीय कमेटी की बैठक, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

करनाल, 11 मार्च (सुमन लता) : एडीसी योगेश कुमार मेहता ने बुधवार को लघु सचिवालय के सभागार में दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु-2) के क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय कमेटी की बैठक ली। बैठक में योजना के तहत प्राप्त हुए आवेदनों पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में एडीसी योगेश कुमार मेहता ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु-2) के तहत प्राप्त होने वाले आवेदनों पर समयबद्ध और नियमों के अनुसार निर्णय लिया जाए ताकि पीड़ित परिवारों को जल्द राहत मिल सके। इसमें सरकार द्वारा तय मापदंडों की शत प्रतिशत पालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में सरकार द्वारा शुरू की गई दयालु-2 एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजना है। इसका उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर बेसहारा पशुओं (जैसे गाय, बैल, कुत्ता, नीलगाय, गधा, खच्चर आदि) के हमले या काटने के कारण मृत्यु, स्थाई दिव्यांगता या गंभीर रूप से घायल होने वाले व्यक्तियों के परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इस योजना के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर देरी या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अधिकारी आपसी तालमेल से काम करें ताकि पात्र व्यक्तियों तक लाभ प्राथमिकता के आधार पर पहुंचे। इस अवसर पर आरटीए विजय देशवाल, डीएसपी मीना कुमारी, एएमसी अशोक कुमार, डिप्टी सिविल सर्जन अमन कंबोज, बीडीपीओ गुरु मलक सिंह, जिला सांख्यिकी अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और संबंधित आवेदक भी उपस्थित रहे।

हरियाणा में भगवान परशुराम स्मृति स्थल स्थापित करवाने की मांग विधानसभा में उठाकर कैबिनेट मंत्री डॉ अरविन्द शर्मा ने किया ऐतिहासिक कार्य : सुरेन्द्र शर्मा बड़ौता

करनाल, 11 मार्च (संदीप रोहिला) : सर्व ब्राह्मण सभा हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा बड़ौता ने बुधवार को एक विशेष बैठक का आयोजन किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य विधानसभा में कैबिनेट मंत्री डॉ अरविन्द शर्मा के द्वारा हरियाणा में भगवान परशुराम स्मृति स्थल स्थापित करवाने की मांग उठाने पर उनका धन्यवाद व्यक्त किया गया। उन्होंने बताया कि भगवान परशुराम स्मृति स्थल बनाने की हरियाणा ब्राह्मण समाज की वर्षों पुरानी मांग रही है जिसको कैबिनेट मंत्री डॉ अरविन्द शर्मा ने सोमवार को विधानसभा में प्रमुखता से उठाया है, जिसके लिए ब्राह्मण समाज उनका आभारी रहेगा। पदाधिकारियों ने कहा कि ब्राह्मण समाज हरियाणा को पूरी उम्मीद है कि कैबिनेट मंत्री डॉ अरविन्द शर्मा भगवान परशुराम स्मृति स्थल स्थापित करवाने का काम करेंगे जोकि सर्व समाज के लिए ऐतिहासिक निर्णय होगा।भगवान परशुराम स्मृति स्थल स्थापित होने से हरियाणा को एक अलग पहचान मिलेगी,जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा,साथ के साथ नई पीढ़ियों को भगवान परशुराम की जीवनी से रूबरू होने का अवसर मिलेगा।उन्होंने बताया कि इसके अलावा भी मंत्री डॉ अरविन्द शर्मा ने विधानसभा में दोहली की जमीन का मालिकाना हक सभी को दिलवाने का विषय भी प्रमुखता से उठाया है जिससे हजारों परिवारों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविन्द शर्मा समय-समय पर सर्व समाज को साथ लेते हुए ब्राह्मण समाज के हित में कार्य करते रहे है। पिछले वर्ष पूरे देश में ऐतिहासिक भगवान परशुराम जन्मोत्सव पहरावर में मनाकर भी इतिहास रचा था। उन्होंने कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविन्द शर्मा का ब्राह्मण समाज की प्रमुख मांग विधानसभा के पटल पर रखने पर समाज की तरफ से धन्यवाद व्यक्त किया है।

पीएम विश्वकर्मा योजना से कारीगरों और शिल्पकारों के हुनर को मिल रही नई पहचान : उत्तम सिंह

करनाल, 11 मार्च (मीनाक्षी देवी) : डी.सी उत्तम सिंह ने कहा कि शिल्पकार व कारीगर समाज के नवनिर्माण में अपना बहुमूल्य सहयोग देते हैं। शिल्पकारों व कारीगरों के हुनर को सम्मान देते हुए केंद्र सरकार की ओर से पीएम विश्वकर्मा योजना चलाई जा रही है, जिससे उनके हुनर को पहचान मिल रही है। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि पीएम विश्वकर्मा योजना भारत की पारंपरिक कला और शिल्पकला को जीवित रखने और देश के कारीगरों और शिल्पकारों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने में सहायक है। पीएम विश्वकर्मा योजना का मुख्य लक्ष्य कारीगरों और शिल्पकारों के उत्पादों की पहुंच को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ावा देना और उनकी गुणवत्ता में सुधार लाना है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करना कि वे घरेलू और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के साथ एकीकृत हों। यह योजना पूरे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के कारीगरों और शिल्पकारों को सहायता प्रदान करती है। पात्र आवेदक कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर जाकर मोबाइल सत्यापन और आधार ई-केवाईसी के माध्यम से पीएम विश्वकर्मा योजना पोर्टल पर पंजीकरण करके पीएम विश्वकर्मा योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजना के तहत 18 विभिन्न प्रकार के पारंपरिक व्यवसायों को शामिल किया गया है, जिनमें नाव बनाना, शस्त्राकार, लुहार, हथौड़ा व लोहे के औजार बनाना, ताला बनाना, सुनार, कुंभकार, मूर्तिकार, मोची, राजमिस्त्री, टोकरी, सुथार, चटाई बनाना, गुडिय़ा व खिलौने बनाना, बारबर, धोबी, दर्जी और मछली पकडऩे के लिए जाल बनाने का काम आदि शामिल है। उन्होंने योजना के पात्र सभी कारीगरों को आह्वान किया कि वे तुरंत इस योजना को लेकर अपना रजिस्ट्रेशन करें और लाभ उठाएं।

पीएम-विश्वकर्मा योजना से श्रमिकों के बच्चों को इस प्रकार मिलता है लाभ : डी.सी उत्तम सिंह ने कहा कि पीएम-विश्वकर्मा योजना के तहत श्रमिक की बेटी के लिए जो कॉलेज पढ़ती है, उसको इलेक्ट्रिक स्कूटी के लिए 50 हजार रूपए तथा श्रमिक को साइकिल खरीदने के लिए पांच हजार रुपए दिए जाते हैं। इसी प्रकार से महिला श्रमिक को सिलाई मशीन खरीदने के लिए 4500 रुपए, श्रमिक के स्कूल जाने वाले बच्चों को 9वीं तथा 10वीं और आईटीआई व डिप्लोमा के विद्यार्थियों को 10 हजार रुपए दिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि 11वीं व 12वीं के विद्यार्थियों को 12 हजार रुपए दिए जाते हैं। इसी प्रकार से बीए, पॉलिटेक्निक, डिप्लोमा, सीए, एएनएम, जीएनएम, अंडर ग्रेजुएट डिप्लोमा करने वाले विद्यार्थियों को 15 हजार रुपए का लाभ दिया जाता है।

फार्मेसी व इंजीनियरिंग डिग्री वाले विद्यार्थियों को 20 हजार रूपए तथा एमबीबीएस, बीएएमएस व बीडीएस करने वाले छात्र-छात्राओं को 21 हजार रुपए वार्षिक लाभ इस योजना के तहत दिया जाता है। इस योजना के तहत, विश्वकर्मा भाई-बहनों को 3 लाख तक का बिना गारंटी ऋण की सुविधा, 15 हजार रुपये तक की टूलकिट सहायता राशि, कौशल विकास के लिए ट्रेनिंग के साथ ही प्रतिदिन 500 रुपये स्टायफंड, उत्पादों के लिए क्वालिटी सर्टिफिकेशन, ब्रांडिंग और मार्केटिंग सहायता सुनिश्चित कर उन्हें आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बना रही है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के माध्यम से केंद्र सरकार विश्वकर्मा भाई-बहनों को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

सफीदों में अवैध रूप से चल रही 5 फैक्ट्रियां सील

बंद पडी 2 फैक्टरियों पर चस्पा किए गए नोटिस, अवैध फैक्ट्रियों को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क : एसडीएम पुलकित मल्होत्रा

सफीदों, 11 मार्च (एस. के. मित्तल) : सफीदों उपमंडल में अवैध रूप से संचालित हो रही फैक्ट्रियों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई लगातार जारी है। एसडीएम पुलकित मल्होत्रा के निर्देश पर गठित प्रशासनिक टीम द्वारा विभिन्न शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान प्रशासन की बिना अनुमति के चल रही कई फैक्ट्रियों को सील किया गया तथा बंद मिलने वाली कारखानों फैक्ट्रियों पर नोटिस भी चस्पा किए गए। एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने बताया कि उपमंडल क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित औद्योगिक इकाइयों की लगातार जांच की जा रही है। गत दिनों आगजनी की घटना को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने संबंधित विभागों के अधिकारियों की संयुक्त टीम का गठन किया है, जिसमें नगर परिषद, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नगर निकाय, तहसीलदार तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हैं। यह टीम विभिन्न स्थानों

पर जाकर फैक्ट्रियों की जांच कर रही है। मंगलवार को निरीक्षण के दौरान जिन फैक्ट्रियों के पास आवश्यक अनुमति, लाइसेंस या सुरक्षा मानकों से संबंधित दस्तावेज नहीं पाए गए, उन पर तुरंत कार्रवाई करते हुए ऐसी 2 फैक्ट्रियों को सील कर दिया गया। इसके साथ ही बंद फैक्ट्री परिसर के बाहर नोटिस चस्पा कर संचालकों को निर्धारित समय के भीतर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे पहले तीन अवैध फैक्ट्रियों को पहले ही सील कर दिया था। अब तक कुल पांच फैक्ट्रियों को सील किया जा चुका है और तीन को नोटिस जारी किये गए है। एसडीएम ने कहा कि अवैध रूप से संचालित फैक्ट्रियां न केवल कानून का उल्लंघन करती हैं बल्कि आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण और सुरक्षा संबंधी खतरे भी पैदा करती हैं। इसलिए ऐसे मामलों में प्रशासन किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और उपमंडल क्षेत्र में जहां कहीं भी अवैध फैक्ट्री संचालित होने की सूचना मिलेगी, वहां तुरंत जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही फैक्ट्री संचालकों से अपील की गई है कि वे सभी नियमों और सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए ही अपने प्रतिष्ठान संचालित करें, अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

बाबा बुर्ज शाह जी का 22वां सालाना उर्स 19 मार्च को : साहिल साबरी

तरावड़ी, 11 मार्च (छाया शर्मा) : स्वर्गीय बाबा यश साबरी जी की पुण्य स्मृति में बाबा बुर्ज शाह जी का 22वां सालाना उर्स 19 मार्च वीरवार को तरावड़ी के अंजनथली रोड पर स्थित पीर बाबा की मजार पर किया जाऐगा। यह जानकारी साबरी ग्रुप के प्रबंधक साहिल साबरी ने दी। उन्होंने बताया कि वीरवार 19 मार्च को किले के पास मजार पर चादर की रस्म, कव्वाली और भंडारे का आयोजन किया जाऐगा। सुबह करीब 11 बजे चादर की रस्म होगी, इसके बाद कव्वाली और भंडारे का आयोजन होगा। जिसमें जुनेद एंड पार्टी के कलाकार भाव विभोर करेगे। साबरी ग्रुप ने सभी शहरवासियों से इस सालाना उर्स का निमंत्रण दिया है। उन्होंने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सालाना उर्स कार्यक्रम भव्य तरीके से मनाया जाऐगा। इस कार्यक्रम में शहर के गणमान्य लोगों के साथ-साथ शहर की सामाजिक, धार्मिक ओर राजनैतिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।

कैंची चौक पर ट्रक और क्रेटा में भिड़ंत, आधा घंटा लगा रहा जाम

कलायत, 11 मार्च (सूबे सिंह मोर) : मंगलवार सुबह कैंची चौक के समीप मोड़ काटते समय एक क्रेटा गाड़ी और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। देखते ही देखते सड़क के दोनों ओर करीब आधा किलोमीटर लंबा जाम लग गया। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित रहा। कार मालिक और ट्रक चालक के बीच हर्जाने को लेकर तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। कार मालिक ने पुलिस को सूचित करने का हवाला देते हुए नुकसान की भरपाई की मांग की, जिसके चलते करीब आधे घंटे तक मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। बीच सड़क पर हो रही बहस के दौरान राहगीरों और स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया, लेकिन दोनों पक्ष अपनी बात पर अड़े रहे। सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। पुलिस की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच आपसी समझौता करवाया गया, जिसके बाद दोनों वाहन अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए। गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई और एक बड़ा हादसा टल गया। वाहनों के हटने के बाद ही पुलिस ने जाम खुलवाया और यातायात सुचारू हो सका।

नगरपालिका की लापरवाही से जलभराव, गली नंबर 9/10,टिब्बा कालोनी के लोग परेशान

सचिव नगरपालिका के लिखित आश्वासन के 7 माह तक नहीं हुई कोई कारवाई

रतिया, 11 मार्च (अमन सेठी) : शहर की गली नंबर 9 की सब-गली 9/10 में बरसात के दिनों में गंभीर जलभराव की समस्या बनी हुई है। क्षेत्र की लगभग 10 गलियों का बारिश का पानी गली नंबर 9 में होकर गली नंबर 9/10 में आकर इकट्ठा हो जाता है। गली नंबर 9/10 अंतिम छोर पर ऊँची बनी हुई है, जिसके कारण पानी आगे नहीं निकल पाता और लोगों के घरों में घुस जाता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि गली नंबर 9/10 के अधिकतर मकान काफी पुराने हैं। हर बार बारिश होने पर पानी

घरों के बेडरूम, किचन और अन्य कमरों में घुस जाता है, जिससे घरेलू सामान, फर्नीचर और भवन को भारी नुकसान होता है। इसके बावजूद प्रशासन और नगर पालिका द्वारा कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। गलीवासियों ने इस समस्या को लेकर के उपायुक्त, के एसडीएम, नगरपालिका सचिव, रातिया तथा पर कई बार लिखित शिकायतें दीं, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार 01 अगस्त 2025 को नगरपालिका सचिव स्वयं गली में आए थे और लिखित आश्वासन देकर गए थे कि तीन महीने के भीतर गलियों की लेवलिंग कर गली नंबर 9/10 में आने वाली पानी की समस्या को पूरी तरह समाप्त कर दिया जाएगा। लेकिन आश्वासन के कई महीने बीत जाने के बावजूद न तो लेवलिंग का कार्य शुरू हुआ और न ही कोई वैकल्पिक निकासी व्यवस्था की गई। क्षेत्रवासियों में नगर पालिका के प्रति भारी रोष है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे मजबूर होकर आंदोलन, धरना-प्रदर्शन और उच्च अधिकारियों के समक्ष दोबारा शिकायत करेंगे। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि बरसात से पहले गली नंबर 9/10 की तुरंत लेवलिंग करवाई जाए और बारिश के पानी की उचित निकासी की व्यवस्था की जाए, ताकि उन्हें हर साल इस परेशानी से न गुजरना पड़े। इस मोके पर एडवोकेट विक्रम कम्बोज, विनोद कुमार, मगन कुमार, बिट्टू गर्ग, मोहित गर्ग ,हरी चंद, हंसराज कम्बोज, कृष्ण कुमार, नारायण कम्बोज,अनिल कुमार, इंद्रजीत कम्बोज, रोहित कुमार, राम सिंह व अन्य साथी मौजूद रहे।

समता योग आश्रम के पीछे केसर नगर और शांति कॉलोनी मे बड़े पैमाने पर काटी जा रही अवैध कॉलोनीयां

यमुनानगर, 11 मार्च (दिनेश कुमार) : समता योग आश्रम के पीछे शांति कॉलोनी और केसर नगर में बड़े पैमाने पर अनप्रूव्ड कालोनियां काटी जा रही है। जिसमें कई मकान दुकानें बनकर तैयार हो चुके हैं। अगर यमुनानगर जिला नगर योजनाकार द्वारा करवाई की जाती है। तो भोले भाले लोगों की मेहनत की कमाई पर पल भर में पानी फिर जाएगा और उनके द्वारा किए गए निर्माण कार्य तोड़ दिए जएंगे। अवैध कॉलोनी के बारे में जानकारी देते हुए चिराग सिंघला ने बताया की अवैध कॉलोनी के बारे में शिकायत भी दी गई है पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई और कहा कि यमुनानगर की ट्विन सिटी जगाधरी इन दिनों अवैध निर्माणों के ऐसे जाल में उलझ चुकी है, जहां नियम किताबों में हैं और जमीन पर निर्माण अपनी मर्जी से। एक ओर अवैध कॉलोनियों का तेजी से विस्तार हो रहा है, तो दूसरी ओर आबादी के बीच फैक्ट्री यूनिट खड़ी की जा रही हैं। सवाल यह है कि जब औद्योगिक इकाइयों के लिए अलग से इंडस्ट्रियल एरिया निर्धारित हैं, तो फिर रिहायशी इलाकों के बीच ये फैक्ट्रियां किसके संरक्षण में बन रही हैं?

जिम्मेदारी जिला प्रशासन, नगर निगम और जिला टाउन प्लानर विभाग की है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर अक्सर सिर्फ नोटिस जारी कर खानापूर्ति कर दी जाती है। कई मामलों में विभागीय कार्रवाई का मतलब सिर्फ सड़क का थोड़ा हिस्सा तोड़ना या औपचारिक जांच तक सीमित रह जाता है। इसके बाद फाइलें फिर दफ्तरों की अलमारियों में दब जाती हैं और निर्माण दोबारा शुरू हो जाता है। विभागीय अधिकारी इतने लापरवाह है या यू कहे कि अनजान बने बैठे है कि अवैध कालोनियों में नोटिस देने के बाद एक बोर्ड तक नहीं लगाते ताकि आम जनता ऐसे अवैध निर्माणों के चक्कर में न फंसे

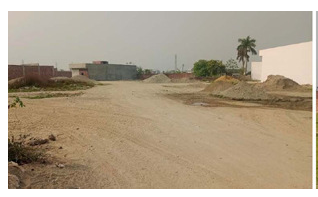

और बात ये है जिन निर्माणों की मंजूरी तक नहीं है, उनकी प्रॉपर्टी आईडी कैसे बन जाती है और रजिस्ट्री तक कैसे हो जाती है? ऑनलाइन सिस्टम लागू होने के बावजूद यह पूरा तंत्र ऐसा कुचक्र बन चुका है, जिसमें आम जनता तो नियमों के बोझ तले पिस रही है, जबकि कलोनाइजर और अवैध निर्माणकर्ता करोड़ों की कमाई कर रहे हैं। शहर में यह चर्चा आम है कि बिना ऊपरी संरक्षण के इतना बड़ा खेल संभव नहीं।

स्थिति इतनी विचित्र है कि आम नागरिक जब किसी शिकायत को लेकर अधिकारियों से मिलने जाता है तो घंटों इंतजार करना पड़ता है, लेकिन उन्हीं अवैध कॉलोनियों से जुड़े लोगों की अधिकारियों के साथ लंबी बैठकों की चर्चा भी शहर में आम है। यही कारण है कि आज यमुनानगर और जगाधरी अवैध कॉलोनियों, अवैध मार्केट और अनियोजित निर्माणों के जाल में फंसते जा रहे हैं।

मुख्य तौर पर केसर नगर : यहां पहले से मौजूद फैक्ट्री को तोड़कर कमर्शियल मार्केट विकसित की जा रही है। बड़े-बड़े गोदाम, दुकानें और सड़कें तैयार हो रही हैं। शांति कॉलोनी और गंगा नगर के बीच कई एकड़ कृषि भूमि को धीरे-धीरे कमर्शियल रूप दिया जा रहा है। आबादी के बीच बड़ी फैक्ट्री यूनिट्स खड़ी की जा रही हैं, जबकि जिला टाउन प्लानर की ओर से नोटिस दिए जाने के बावजूद निर्माण जारी है।

मटका चौक के पास अर्जुन नगर चौकी के नजदीक यहां भी नई मार्केट का निर्माण तेजी से चल रहा है।

इन सभी जगहों पर विभागीय नोटिस जारी होने की बात सामने आती है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आती।

सुविधाएं शून्य, गंदगी भरपूर अवैध कॉलोनियों की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि यहां मूलभूत सुविधाओं का अभाव रहता है। न ठीक सड़कें, न सीवरेज की व्यवस्था, न जल निकासी की ठोस योजना। जगह-जगह कूड़े के ढेर और अस्थायी रास्ते शहर की प्लानिंग पर सवाल खड़े करते हैं। नगर निगम, तहसील और टाउन प्लानिंग विभाग की भूमिका भी इस पूरे मामले में संदेह के घेरे में नजर आती है। शिकायतें अक्सर जिला प्रशासन तक पहुंचती हैं, लेकिन उनका निपटारा कष्ट निवारण बैठकों तक सीमित रह जाता है। कई शिकायतें तो फाइलों में ही दबकर रह जाती हैं। शहर की अव्यवस्थित बढ़ती आबादी और अवैध निर्माणों का दबाव आने वाले मानसून में साफ नजर आएगा। जब सीवरेज सिस्टम, सड़कें और पानी की व्यवस्था इस दबाव को झेलने में असमर्थ होंगी, तब शहर के हालात और बिगड़ सकते हैं। एक ओर सरकार और विभाग टैक्स वसूली में व्यस्त दिखाई देते हैं, चाहे कॉलोनी वैध हो या अवैध, लेकिन शहर के नक्शे से अवैध निर्माण हटाने की दिशा में अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है। अब सवाल यह है कि क्या यमुनानगर कभी योजनाबद्ध शहर बन पाएगा, या फिर अवैध निर्माणों का बोझ ही इसकी पहचान बन जाएगा?

फैसला अब प्रशासन को करना है क्योंकि शहर पूछ रहा है — नियम सिर्फ आम लोगों के लिए हैं या सबके लिए।

अखिल भारतीय सिविल सेवा वालीबाल प्रतियोगिता के लिए ट्रायल 13 मार्च को

करनाल, 11 मार्च (मीनाक्षी देवी) : जिला खेल अधिकारी राजबीर रंगा ने बताया कि अखिल भारतीय सिविल सेवा वालीबाल प्रतियोगिता (पुरुष व महिला) 2025-26 का आयोजन 20 से 25 मार्च तक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एस यू ब्लॉक, पीतमपुरा, दिल्ली में किया जाएगा। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हरियाणा टीम के चयन के लिए ट्रायल 13 मार्च को द्रोणाचार्य स्टेडियम, कुरुक्षेत्र में सुबह 10 बजे आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इच्छुक और उत्कृष्ट खिलाड़ी जो सरकारी अधिकारी या कर्मचारी हैं, वे इस चयन प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। ट्रायल में आने-जाने और प्रतियोगिता में भाग लेने का यात्रा व्यय संबंधित खिलाड़ी का विभाग वहन करेगा। इच्छुक खिलाडियों को अपने विभागीय कार्यालय से यह प्रमाण-पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा कि वे संबंधित विभाग में सरकारी कर्मचारी/अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि केंद्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक एवं खेल बोर्ड की हिदायतों के अनुसार रक्षा सेवाओं, अर्धसैनिक बलों, केंद्रीय पुलिस संगठनों, पुलिस, आरपीएफ, सीआईएसएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और एनएसजी के वर्दीधारी कर्मी, स्वायत्त निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के कर्मचारी, दिहाड़ी एवं कैजुअल श्रमिक, अस्थायी ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी तथा नए भर्ती हुए कर्मचारी जिन्होंने नियमित सेवा में छह महीने से कम समय पूरा किया हो, वे कर्मचारी इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पात्र नहीं होंगे।

मिट्टी की महक से निकले सितारे : समानाबाहु स्कूल के 5 खिलाड़ी राष्ट्रीय खेलों के लिए चयनित

तरावड़ी, 11 मार्च (छाया शर्मा) : ग्रामीण तबके के सरकारी स्कूलों के छात्र भी अब खेलों में लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। इसका ताजा उदाहरण राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय समानाबाहु के विद्यार्थियों ने पेश किया है, जिनका राज्यस्तरीय और राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के लिए चयन हुआ है। इन प्रतिभावान खिलाड़ियों के सम्मान में स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां गांव समानाबाहु की सरपंच कर्मजीत कौर ने बच्चों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। स्कूल के विद्यार्थियों का कुल 52 स्थानों पर राज्यस्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के लिए चयन हुआ था। इन खिलाड़ियों ने बेसबॉल और एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया। इनमें से पांच खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए भी हुआ, जो स्कूल और गांव के लिए गर्व की बात है। कार्यक्रम के दौरान सरपंच कर्मजीत कौर ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की मेहनत और लगन से यह उपलब्धि हासिल हुई है। उन्होंने विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय की प्रधानाचार्य ऊषा देवी ने बताया कि स्कूल के विद्यार्थियों ने दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इनमें रखनीत कौर (कक्षा 12वीं) सिया (कक्षा 12वीं) और एकता (कक्षा 10वीं) शामिल हैं। इसके अलावा अंडर-14 वर्ग में अमर कौर और आशीष का चयन हुआ। इन

खिलाड़ियों ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। प्रधानाचार्य ऊषा देवी और सरपंच कर्मजीत कौर ने खिलाड़ियों को भविष्य में भी इसी तरह मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि आगामी 15 अगस्त के अवसर पर इन प्रतिभावान खिलाड़ियों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा, ताकि अन्य विद्यार्थियों को भी खेलों और पढ़ाई में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल सके। इस अवसर पर स्कूल के पीजीटी फिजिकल एजुकेशन पंकज कुमार और पीटीआई पिंकी देवी ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और अनुशासन को दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों की लगन और नियमित अभ्यास के कारण ही यह उपलब्धि संभव हो पाई है।

दुकान में घुसकर चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

करनाल, 11 मार्च (संदीप रोहिला) : जिला पुलिस ने चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाते हुए थाना कुंजपुरा की टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए दुकान में घुसकर चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए मामले के जांच अधिकारी सहायक उप निरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि उनकी अध्यक्षता में गठित पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी ऋतिक तथा विकास निवासी गांव बड़ा गांव को काबू किया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में शिकायतकर्ता की शिकायत के आधार पर बीती 8 मार्च को थाना कुंजपुरा में केस दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया था कि दो अज्ञात व्यक्ति दोपहर के समय दुकान के पीछे के रास्ते से अंदर घुस गए और वहां से कुछ नकदी चोरी कर फरार हो गए। पुलिस टीम ने मामले में तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जिला जेल भेज दिया गया है।

हिंदी नव लेखन शिविर के.एम. राजकीय महाविद्यालय नरवाना में नवोदित लेखकों को मिला मार्गदर्शन रचनात्मकता और समाज से जुड़ाव पर दिया जोर

नरवाना, 11 मार्च (नरेन्द्र कुमार) : के.एम. राजकीय महाविद्यालय नरवाना में केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली तथा हिंदी शोधार्थी संघ भारत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित छह दिवसीय अहिंदी भाषी क्षेत्र के हिंदी नव लेखन शिविर के तीसरे दिन विभिन्न विद्वानों ने नवोदित लेखकों को रचनात्मक लेखन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी।कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मीनू सिंह ने कहा कि नव लेखकों को रुचि, लगन और समर्पण के साथ समाज की वास्तविक समस्याओं, संस्कृति और मानवीय मूल्यों को अपने लेखन में स्थान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्थक लेखन वही है जो समाज को दिशा देने का कार्य करे।कार्यक्रम के दौरान केरल राज्य से आई प्रतिभागी कार्तिक आर.एस. ने पिछले दिन की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि बेलरखा स्थित विद्यालय का शैक्षणिक भ्रमण अत्यंत प्रेरणादायक रहा। उन्होंने कहा कि वहां विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाएं केरल के कई विद्यालयों से भी बेहतर हैं, जो शिक्षा के क्षेत्र में एक सकारात्मक उदाहरण है।

कार्यशाला की अध्यक्षता प्रोफेसर सज्जन कुमार ने की। पहले सत्र में राजकीय कन्या महाविद्यालय, पलवल से आए प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार थुआ ने नव्येतर गद्य

विधाओं—साक्षात्कार, जीवनी, संस्मरण और आत्मकथा—के लेखन के बारे में विस्तार से जानकारी दी और बताया कि इन विधाओं के माध्यम से व्यक्ति और समाज के अनुभवों को प्रभावी रूप से अभिव्यक्त किया जा सकता है।इसी सत्र में डॉ. आरती पाठक ने फिल्म और नाटकों के लिए पटकथा लेखन पर चर्चा करते हुए बताया कि पटकथा लिखते समय पात्रों के स्वभाव, भाव-भंगिमा और वातावरण का विशेष ध्यान रखना आवश्यक होता है। सफल पटकथा वही मानी जाती है जो दर्शकों को कहानी से भावनात्मक रूप से जोड़ सके। तीसरे सत्र में सेंट जीसस कॉलेज, नई दिल्ली से आईं डॉ. अर्चना त्रिपाठी ने रचनात्मक लेखन की अवधारणा पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि रचनात्मक लेखन वह प्रक्रिया है जिसमें लेखक अपनी कल्पनाशक्ति, अनुभव और संवेदनाओं के माध्यम से विचारों को नए और प्रभावशाली ढंग से व्यक्त करता है। कहानी, कविता, नाटक और लेख इसके प्रमुख रूप हैं। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से सेवानिवृत्त डॉ. नरेश मिश्रा ने भाषाविज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसमें भाषा की उत्पत्ति, संरचना, ध्वनियों, शब्दों, वाक्यों और अर्थ के वैज्ञानिक अध्ययन का विश्लेषण किया जाता है। इसके अंतर्गत ध्वनि विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विन्यास और अर्थ विज्ञान जैसे विभिन्न क्षेत्र शामिल होते हैं। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय से आईं डॉ. गीतू धवन ने साहित्य और समाज के आपसी संबंधों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है और समाज की परिस्थितियां साहित्य को निरंतर प्रभावित करती हैं।

कार्यक्रम का मंच संचालन हिंदी प्राध्यापिका प्रोफेसर कविता तथा हिंदी शोधार्थी संघ के महासचिव कृष्ण कुमार कनक ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर प्रोफेसर राजेश श्योकंद, डॉ. सुनील कुमार, मेजर सुरेंद्र कुमार, सुल्तान सिंह, सुमन, नरेश नैन, रूबी, वंदना और डॉ. रविंद्र राही सहित अनेक शिक्षाविद और प्रतिभागी उपस्थित रहे।

जिला में पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू एलपीजी गैस की आपूर्ति पूरी तरह से सामान्य

करनाल, 11 मार्च (संदीप रोहिला) : जिला खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले नियंत्रक ने बताया कि इजरायल ईरान युद्ध के कारण एल.पी.जी. गैस की समस्या होने के अफवाह फैलाई जा रही है। परंतु इस समय जिले में पेट्रोल/डीजल एवं रसोई गैस की कोई समस्या नहीं है। किसी भी प्रकार से पैनिक होने की आवश्यकता नहीं हैं। जिले में पेट्रोल/डीजल की निर्बाध आपूर्ति जारी है।

भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा 9 मार्च को जारी आदेश में प्राथमिक क्षेत्रों के लिए घरेलू एलपीजी की आपूर्ति तथा उसके समुचित एवं समान वितरण एवं उपलब्धता सुनिश्चित करने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा - निर्देश जारी किये गए हैं। जारी आदेश के अनुसार घरेलू गैस सिलेंडरों की गैस बुकिंग के लिए 25 दिन का समय निर्धारित किया है। इसके अतिरिक्त होटलो, ढाबों, उद्योगों एवं मिठाई की दुकानों पर कमर्शियल गैस सिलेंडरों की बुकिंग पर रोक लगा दी गई है तथा स्कूल/कॉलेजों एवं अस्पतालों में बुकिंग पहले की तरह जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि जिले के लिए पेट्रोल/डीजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी तेल कंपनियों के बिकी अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर दिए गए है। इसके अतिरिक्त पेट्रोल/डीजल एवं रसोई गैस की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिले के सभी सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए जा चुके है। उन्होंने घरेलू गैस उपभोक्ता से यह भी अनुरोध है कि वे किसी भी प्रकार से पेनिक न हो तथा गैस एजेंसी द्वारा जारी मोबाईल नम्बर पर मिस कॉल के माध्यम से अपने घरेलू गैस सिलेंडर की बुकिंग करवाए।

किसानों पर धुएं के केस, लेकिन फैक्ट्री की चिमनी से आसमान काला : सेवा सिंह

प्रशासन की नाक के नीचे उड़ रहा प्रदूषण, खेतों के बीच चल रही फैक्ट्री से दिन-रात निकल रहा काला धुआं

निसिंग, 11 मार्च (जोगिंद्र सिंह) : क्षेत्र में प्रदूषण को लेकर प्रशासन की कार्रवाई पर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। भाकियू के जिला उपाध्यक्ष सेवा सिंह महमल ने बताया कि एक तरफ जहां पराली जलाने के मामले में किसानों पर केस दर्ज किए गए हैं, वहीं दूसरी तरफ करनाल- कैथल स्टेट हाइवे पर गांव टयोठा के खेतों के बीच चल रही फैक्ट्री की चिमनी से लगातार काला धुआं आसमान में फैलता नजर आ रहा है। बुधवार सुबह खेतों के बीच स्थित फैक्ट्री की चिमनी से निकलते घने काले धुएं ने पूरे आसमान को ढक लिया। दूर-दूर तक धुएं की मोटी परत साफ दिखाई दी।

आसपास के किसानों और ग्रामीणों का कहना है कि यह सिलसिला कई सालों से जारी है। किसानों का आरोप है कि जब किसान पराली जलाते हैं तो तुरंत नोटिस और केस दर्ज हो जाते हैं, लेकिन फैक्ट्री से निकल रहे जहरीले धुएं पर अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। इससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

लोगों का कहना है कि अगर प्रदूषण रोकना है तो नियम सभी पर बराबर लागू होने चाहिए। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि फैक्ट्री से निकल रहे धुएं की जांच करवाई जाए और यदि पर्यावरण नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो सख्त कार्रवाई की जाए।

कलाकार कपिल वर्मा ने मुंबई की प्रतिष्ठित जहांगीर आर्ट गैलरी में अपनी कला का किया प्रदर्शन

कुरुक्षेत्र, 11 मार्च (करणदीप सिंह) : हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के ज्योतिसर गाँव से ताल्लुक रखने वाले कलाकार कपिल वर्मा ने मुंबई की प्रतिष्ठित जहांगीर आर्ट गैलरी में अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस विशेष उपलब्धि को साझा करते हुए कपिल ने बताया कि क्वाइट फोर्सेस सांझा समूह द्वारा कला प्रदर्शनी 3 मार्च से 9 मार्च तक आयोजित की गयी। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रोफेसर हिम चटर्जी कुलपति जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट, आर्किटेक्चर एंड डिज़ाइन, मुंबई एवं प्रख्यात चित्रकार डॉ. सावी सावरकर द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि यह कला प्रदर्शनी केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भारत भूमि की समृद्ध एवं सांस्कृतिक परंपरा, का सजीव मंच होता हैं। क्वाइट फोर्सेस समूह के बैनर तले इस सामूहिक प्रदर्शनी में कपिल वर्मा के अलावा शिवम कांबले, शिल्पा नायडू, परमेश्वर और नीलम चौहान की कृतियाँ शामिल रही। सभी कलाकारों की कृतियों को प्रदर्शनी में आये लोगों ने खूब सराहा। कपिल वर्मा का कहना है कि चित्रकला में मेरा काम इंसानी स्वभाव, समाज और मेरी ज़मीन से जुड़ी पौराणिक सोच के बीच के रिश्ते को दिखाता है। उनकी कृतियों में ग्रामीण और शहरी जीवन के अनुभव, मानवीय भावनाएं और प्रकृति को चित्रकला, मुद्रण, मूर्तिकला और फाइबर कला जैसे माध्यमों देखने को मिलती हैं। वर्मा ने बताया कि उन्हें बचपन से ही प्रकृति से विशेष लगाव रहा है। प्रकृति के लगाव ने उन्हें एक कलाकार बना दिया। उनका कहना है कि एक कलाकार प्रकृति के बहुत करीब होता है और वह अपने मन के भावों को कैनवास पर उकेर कर कलाकृतियों का निर्माण करता है। कला न केवल एक कलाकार की साधना है, बल्कि एक सांस्कृतिक योद्धा का प्रयास भी है, जो अपनी जड़ों को सहेजते हुए उन्हें नई पीढ़ी तक पहुंचा रहे हैं। ऐसी प्रदर्शनी, दृष्टिकोण, संवेदना और संस्कृति के प्रति सजगता का एक अनूठा प्रयास होती हैं। प्रदर्शनी के समापन पर सभी कलाकारों के काम को सराहा गया।

वृद्धाश्रम व अन्नक्षेत्र लाडवा में 12 मार्च से श्री राम कथा का भव्य आयोजन

आश्रम की वार्षिक कथाओं की श्रृंखला में इस बार श्री राम कथा का दिव्य आयोजन किया जाएगा : अनुज गोयल

लाडवा, 11 मार्च (राम गोपाल) : बाबा बंसी वाला वृद्धाश्रम व अन्नक्षेत्र में 12 मार्च से श्री राम कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए बाबा बंसी वाला वृद्ध आश्रम के सचिव अनुज गोयल ने बताया कि परमपूज्य संत ब्रह्मलीन बाबा बंसी वाले द्वारा लोगों को धर्म व संस्कृति से जोडने के लिए देशभर में कथाओं का आयोजन शुरू किया था जो उनके गोलोक गमन के बाद भी अनवरत रूप से जारी है। आश्रम की वार्षिक कथाओं की श्रृंखला में इस बार श्री राम कथा का दिव्य आयोजन किया जाएगा जिसमें सीहोर मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध रामकथा मर्मज्ञ पंडित अनिल पाराशर जी के श्रीमुख से भगवान राम के आदर्श जीवन को रामकथा के माध्यम से आत्मसात करेंगे। उन्होंने बताया कि 12 मार्च को सुबह 1:00 बजे आश्रम से नगरखेड़ा मंदिर तक एक भव्य शोभायात्रा निकल जाएगी जिसे सरस्वती सत्संग सभा के प्रधान सुनील गर्ग व श्री अग्रवाल सभा के पूर्व प्रधान दुर्गेश गोयल झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके बाद कथा का विधिवत शुभारंभ होगा। उन्होंने बताया कि श्री राम कथा का मुख्य उद्देश्य आध्यात्मिक ज्ञान वृद्धि, समाज में धर्म व मर्यादा का प्रसार करना है। कथा शाम 3:00 से 6:00 बजे तक होगी जिसमें बालकांड, वनवास, सुंदरकांड, राम-रावण युद्ध और राज्याभिषेक जैसे मुख्य कथा प्रसंग होंगे। कथा के दौरान प्रतिदिन भंडारे का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया की कथा के मुख्य यजमान श्रीमती कृष्णा गोयल विजेंद्र गोयल और मुकेश गर्ग व विनय गर्ग होंगे। इस अवसरपरविक्रास सिंघल, सुरेश कंसल, संजय सिंघल, राजकुमार सैनी, कुंवर सिंघल सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हवलदार कर्म सिंह हुए पंचतत्व में विलीन : जगजीत फौजी

राजौंद, 11 मार्च (नरेश कुमार) : भारतीय सेना के आटरली रेजीमेंट (तोप खाने) में कॉलर सर्विस करने के बाद हरियाणा राज्य परिवहन में सेवा देने उपरान्त सेवा निवृत्ति हुए, हवलदार कर्म सिंह ने 80 वर्ष की आयु में कई दिन की बिमारी के कारण दिल्ली होस्पिटल में आखरी सांस ली। इसकी जानकारी जैसे ही पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन कैथल को मिली तो अपने प्रोटोकॉल के अनुसार एसोसिएशन के साथी हवलदार करम सिंह के घर उनके पैतृक गांव देवबन में पहुंचे वहां पहुंचकर कैप्टन रवि दत्त शर्मा, सूबेदार मेजर खजान सिंह, चीफ पेटी ऑफिसर राजबीर भाना, हवलदार राज पाल बालू न एसोसिएशन प्रधान जगजीत फौजी के साथ मिलकर पार्थिक शरीर पर तिरंगा ओढ़ाया और सभी पूर्व सैनिक शव यात्रा में शामिल हुए शमशान घाट में पहुंचकर पार्थिक शरीर पर रीट (पुष्प चक्र) चढ़ाया और हवलदार गजे सिंह सरपंच देवबन, सुबेदार बलबीर सिंह माजरा, कैप्टन चन्द्र भान,दफेदार सतपाल कसान, हवलदार रत्न सिंह, हवलदार बेद पाल, रिसालदार बलबीर सिंह, हवलदार रघु बीर सिंह प्योदा, हवलदार कृष्ण कुमार एवं अन्य पूर्व सैनिकों के साथ मिलकर पारिवारिक सदस्य रिश्तेदार हुए गांव के सौकड़ों गणमान्य व्यक्तियों ने पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। उनके पुत्र पवन कुमार और अग्नि वीर रोहतास को तिरंगा भेंट किया और प्रधान जी ने बताया की तिरंगा उनके परिवार को हमेशा याद दिलाता रहेगा की हमारे पूर्वज ने भी देश की सेवा की है। तत्पश्चात उनके पुत्रों ने चिता को मुखाग्नि दी।

बाबैन अनाज मंडी के बजट एजेंडे पर हुई बैठक

बाबैन, 11 मार्च (राजेश) : बाबैन अनाज मंडी स्थित मार्किट कमेटी कार्यालय में बुधवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए मंडी के बजट एजेंडे को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंडी के विकास कार्यों तथा आगामी योजनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक की अध्यक्षता मार्किट कमेटी के चेयरमैन जसविन्द्र जस्सी ने की। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन जगदीश ढींगरा तथा मार्किट कमेटी के सचिव गुरमीत सैनी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में मंडी के विकास को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की गई और बजट प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति के लिए मंडी बोर्ड मुख्यालय को भेजने का निर्णय लिया गया।

चेयरमैन जसविन्द्र जस्सी ने उपस्थित सदस्यों से मंडी के विकास को लेकर सुझाव भी मांगे। उन्होंने कहा कि मंडी में किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना मार्किट कमेटी की प्राथमिकता है।

उन्होंने बताया कि गेहूं की फसल का सीजन शुरू होने वाला है, ऐसे में मंडी परिसर की साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करना बेहद जरूरी है, ताकि फसल लेकर आने वाले किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समय रहते सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं, जिससे खरीद सीजन के दौरान व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके।

इस मौके पर मार्किट कमेटी के सदस्य हरदेव सिंह बाबैन, अश्वनी सिंगला, सतबीर सिंह, नरेंद्र गोजरे, किरण शर्मा, विनोद शर्मा, देशराज, दीपक शर्मा, माँगे राम, नैब सिंह, जगमाल सैनी, राजवीर प्रजापत तथा निर्मल सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।।

एनएसएस शिविर में स्वयंसेवकों को दिया प्राथमिक चिकित्सा व समय प्रबंधन का प्रशिक्षण

रेड क्रॉस के सहयोग से प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण, नेत्र जांच शिविर में 50 स्वयंसेवकों की जांच

करनाल, 11 मार्च (संदीप रोहिला) : गुरु नानक खालसा कालेज की ओर से लगाए जा रहे एनएसएस शिविर के पांचवे दिन पहले सत्र में रेडक्रॉस सोसाइटी के सहयोग स्वयंसेवकों को प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण दिया गया। रेडक्रॉस अधिकारी डा. श्वेता धीमान ने स्वयं सेवकों को आपातकाल में प्राथमिक चिकित्सा कैसे दी जा सकती है इस बारे में जानकारी दी। डा. श्वेता धीमान ने हार्ट अटैक तथा अन्य बीमारियों में कैसे तुरंत बचाव किया जा सकता है के बारे में बताया।

इस मौके पर डा. अजय कुमार, प्रो. प्रदीप, प्रो. लतिका मौजूद रहीं। दूसरे सत्र में स्वयंसेवकों के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कैंप के छठे दिन के प्रथम सत्र में अरोड़ा नेत्र अस्पताल के सहयोग से नेत्र जांच शिविर लगाया गया। लगभग 50 स्वयंसेवकों की जांच की गई। दूसरे सत्र में राजकीय महाविद्यालय घरौंडा के प्रिंसिपल डा. सुरेंद्र कुमार नागिया ने स्वयंसेवकों के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए समय प्रबंधन पर चर्चा की। इन परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए टिप्स दिए। इस मौके पर गुरु नानक खालसा कालेज के प्रिंसिपल डा. चूहड़ सिंह, प्रो. प्रदीप कुमार व अल्का मौजूद रहे।

प्रशिक्षण शिविरों से भाजपा कार्यकर्ताओं को मिलती है नई ऊर्जा : संयोगिता गुप्ता

तरावड़ी, 11 मार्च (छाया शर्मा) : भारतीय जनता पार्टी संगठन की ओर से तरावड़ी स्थित अग्रवाल धर्मशाला में 24 घंटे का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य संगठन को और अधिक मजबूत बनाना तथा कार्यकर्ताओं को पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों और संगठनात्मक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना रहा। इस अवसर पर नीलोखेड़ी हलके के विधायक भगवानदास कबीरपंथी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष संयोगिता गुप्ता, भाजपा नेता एवं प्रभारी इलम सिंह, मंडल अध्यक्ष शिवम बंसल, महामंत्री रणजीत भारद्वाज, राजेश छाबड़ा, पंकज ठाकुर सहित जिला व प्रदेश स्तर के कई पदाधिकारी मुख्य रूप से मौजूद रहे। प्रशिक्षण शिविर में संगठन की कार्यप्रणाली, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने के विषय में विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को संगठन की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। विशेष बात यह रही कि शिविर में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं की हाज़िरी डिजिटल माध्यम से सरल ऐप के जरिए दर्ज की गई। सभी कार्यकर्ता अपने मोबाइल फोन में सरल ऐप डाउनलोड कर प्रशिक्षण शिविर में पहुंचे, जिसके माध्यम से उनकी उपस्थिति ऑनलाइन दर्ज की गई। इस प्रशिक्षण शिविर में नीलोखेड़ी हल्के के विधायक, प्रदेश व जिला स्तर के पदाधिकारी, चेयरमैन, जिला परिषद सदस्य, ब्लॉक समिति सदस्य, पार्षद, सरपंच, मंडल कार्यकारिणी के पदाधिकारी, सभी मोर्चा अध्यक्ष एवं पदाधिकारी, शक्ति केंद्र प्रभारी व प्रमुख, बूथ अध्यक्ष व प्रभारी त्रिदेव तथा मंडल के वरिष्ठ कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारियों ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर संगठन को मजबूत बनाने और कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आगामी कार्यक्रमों और अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

चोरी करने के मामले में एक आरोपी को लिया प्रोडक्शन वारंट पर

यमुनानगर, 11 मार्च (दिनेश कुमार) : पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक कमल दीप गोयल ने जिला पुलिस को अपराध व अपराधियों पर नकेल कसने के सख्त निर्देश दिए हुए हैं। इन्हीं निर्देशों के तहत कार्यवाही करते हुए स्पैशल सेल की टीम ने घर के ताले तोड़कर घर में रखे सोने व चांदी के जेवरात व मोबाइल फोन चोरी करने के मामले में एक आरोपी को माननीय अदालत से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर पुलिस रिमांड पर लिया गया। अरोपोई से चोरी का सामान बरामद किया गया। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। इंचार्ज रमन चंदेल ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला सहारनपुर के गांव बलसवा निवासी राजू ने शिकायत दर्ज करवाई कि वह बिलासपुर के पास राधा स्वामी सत्संग भवन के पास किराए पर रहता है। उनके सोने चांदी के जेवरात तथा एक मोबाइल फोन को कोई नाम पता नाम मालूम कर चोरी करके ले गया था। इस शिकायत पर संबंधित थाना में मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए एक टीम का गठन किया गया। तफ्तीश के दौरान टीम को सुचना प्राप्त हुई कि आरोपी साहिल उर्फ सोनू बैटरी पुत्र बलवंत गांव कोटडा खास जो एक मुकदमे में जिला जेल जगाधरी मे बंद है।

दिनांक 24 जनवरी को वह अपने परिवार के साथ काम खत्म करके सो गया था।

जब सुबह उठकर देखा तो उनके कमरे का दरवाजा खुला था और कमरे के अंदर रखी अलमारी खुली हुई थी सामान बिखरा पड़ा था। जब उन्होंने चेक किया तो उनकी अलमारी से आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर पुलिस रिमांड पर लिया गया। आरोपी ने दिनांक 24 जनवरी इस वारदात को करना कबूल किया था। रिमांड के दौरान आरोपी से चोरी का मोबाइल बरामद किया गया। आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

गौसेवा के लिए उमड़ी आस्था : भागवत कथा के तीसरे दिन भी भक्तों ने खोला दान का खजाना

गौशाला पूर्व प्रधान रामकुमार गर्ग ने की तूड़ी-गेहूं दान करने की अपील

निसिंग, 11 मार्च (जोगिंद्र सिंह) : श्री राधा कृष्ण आदर्श गौशाला अमूपूर माजरा में चल रही 11 वीं श्रीमद्भागवत कथा में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। कथा के तीसरे दिन भी गोभक्तों ने दिल खोलकर गौशाला के लिए दान दिया और गौमाता की सेवा का संकल्प लिया।

कथा के दौरान पूजा व भंडारा अभिषेक मैहला पुत्र मेवा सिंह गौशाला के उपप्रधान को करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस के ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजेश वैध व जिला उपाध्यक्ष संजय मैहला पहुंचे। इस दौरान राजेश वैध ने गौसेवा के लिए 11 हजार रुपये की दान राशि भेंट की, जबकि प्रदीप कौल ने 31 हजार रुपये का योगदान देकर गौशाला के कार्यों में सहयोग किया। ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजेश वैध ने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति की महान परंपरा है और इससे व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। उन्होंने कहा कि गौमाता की सेवा करने से न केवल धार्मिक पुण्य मिलता है बल्कि समाज में भाईचारे और सेवा की भावना भी मजबूत होती है। राजेश वैध ने कहा कि गौशालाओं को चलाने के लिए समाज के हर वर्ग को आगे आकर सहयोग करना चाहिए। उन्होंने गोभक्तों से अपील करते हुए कहा कि जो भी व्यक्ति अपनी श्रद्धा के अनुसार गौसेवा में योगदान देता है, उसे ईश्वर की विशेष कृपा प्राप्त होती है।कथा वाचक देवी राधे प्रिया ने अपने प्रवचनों में कहा कि गौशाला में दान देना महान पुण्य का कार्य है। गौमाता की सेवा करने से मनुष्य के जीवन में सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति होती है। गौशाला के पूर्व प्रधान एवं मंच संचालन कर रहे रामकुमार गर्ग ने गोभक्तों से गौसेवा में बढ़-चढ़कर सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि गौमाता की सेवा भारतीय संस्कृति की पहचान है और इसमें हर व्यक्ति को अपनी श्रद्धा के अनुसार योगदान देना चाहिए। गौशाला प्रधान प्रवीण गर्ग ने उपस्थित श्रद्धालुओं से विशेष रूप से गौशाला के लिए तूड़ी और गेहूं दान करने का आग्रह किया, ताकि गौमाताओं के चारे की व्यवस्था निरंतर बनी रहे। उन्होंने कहा कि गौशाला समाज के सहयोग से ही चलती है और दानीजनों के सहयोग से ही गौसेवा का यह पवित्र कार्य आगे बढ़ता है।

इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य सचिन बुढ़नपुर, बलराज पुजारी, बलवान बसतली, सतविंदर, रामकुमार, जगदीश शर्मा, प्रकाश शर्मा, रमेश चंद्र लाल, सुभाष चंद्र गर्ग, जयप्रकाश मित्तल, विजय कुमार गर्ग और अर्पण गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

14 मार्च को नरवाना न्यायिक परिसर में लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

नरवाना, 11 मार्च (नरेन्द्र कुमार) : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मोनिका के मार्गदर्शन में स्थानीय न्यायिक परिसर में आगामी 14 मार्च को सुबह 10 बजे राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह लोक अदालत सब डिविजनल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट एवं उपमंडल स्तरीय विधिक सेवाएं समिति के चेयरमैन संदीप कुमार की अध्यक्षता में आयोजित होगी।

इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से न्यायालयों में लंबित विभिन्न प्रकार के मामलों का आपसी सहमति के आधार पर त्वरित निपटान किया जाएगा। लोक अदालत की विशेषता यह है कि इसमें मामलों की सुनवाई के लिए किसी भी प्रकार की कोर्ट फीस नहीं ली जाती और दोनों पक्षों की सहमति से समझौते के आधार पर मामलों का समाधान किया जाता है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक रिकवरी से जुड़े मामले, बिजली एवं पानी के बकाया बिल, लंबित चालान, वैवाहिक विवाद, मोटर वाहन दुर्घटना अधिनियम से संबंधित मामले, आबकारी एवं कराधान से जुड़े विवाद सहित अन्य विभिन्न प्रकार के लंबित मामलों का मौके पर ही समाधान किया जाएगा।

नागरिक अपने कंपलसरी पार्टीशन से खेवट को विभाजित करके राजस्व रिकार्ड से प्राप्त कर सकते है खास नम्बर खसरा : सागरमल

पिहोवा, 11 मार्च (विवेक) : नायब तहसीलदार सागरमल ने कहा कि नागरिक अपने कंपलसरी पार्टीशन से अपने खेवट को विभाजित करके अपने खास नंबर खसरा का राजस्व रिकॉर्ड से प्राप्त कर सकते है। सरकार की इस कल्याणकारी योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों तक पहुंचे और सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं। नायब तहसीलदार सागरमल ने उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के आदेश अनुसार आज पिहोवा के गांव गुलडेरा में शिविर का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम वासियों को विभाग की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार राजस्व विभाग सेक्शन नंबर 111 ए के तहत कंपलसरी पार्टीशन जागरूक अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सेक्शन नंबर 111 ए के तहत कंपलसरी पार्टीशन से जो भी व्यक्ति अपनी सहमति से कंपलसरी पार्टीशन के लिए अप्लाई करता है उनके बयानों के बाद नक्शा बनाकर उसको अप्रूव किया जाएगा और बाद में तक्सीम कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि अगर निर्धारित अवधि में सभी संयुक्त भू-मालिकों द्वारा आपसी सहमति से भूमि विभाजन का करार पेश नहीं किया जाता तो राजस्व अधिकारी छह महीने का समय और दे सकते हैं। यदि सभी संयुक्त भू-मालिकों द्वारा आपसी सहमति से भूमि विभाजन का करार पेश किया जाता है, तो संशोधित अधिनियम की धारा 111 ए (3) के अंतर्गत भूमि के विभाजन का इंतकाल धारा 123 के प्रावधान के अंतर्गत कर दिया जाएगा। यदि सभी संयुक्त भू-मालिकों का आपसी सहमति से बंटवारा नहीं हो पाता है, तहसीलदार की कोर्ट छह महीने के अंदर ऐसी जमीन का बंटवारा सुनिश्चित करेंगी।

प्यार के रिश्ते में बने संबंध हमेशा शादी के वादे पर नहीं होते हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) दिल्ली हाईकोर्ट ने एक मामले में अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि प्यार के रिश्ते में बने संबंध हमेशा शादी के वादे पर नहीं होते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक अहम मामले में भारतीय सेना में तैनात एक व्यक्ति को अग्रिम जमानत देते हुए कहा कि लंबे समय तक चले रिश्ते और उसके बाद हुए रोका सगाई जैसी रस्म से आरोपी के पक्ष की बात पहली नजर में मजबूत होती है। अदालत के सामने आए रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी और शिकायतकर्ता महिला के बीच करीब पांच साल तक संबंध रहे। इस दौरान दोनों के बीच लगभग दो साल तक शारीरिक संबंध भी रहे। कोर्ट ने कहा कि इतने लंबे रिश्ते के दौरान दोनों परिवारों की सहमति से रोका होना इस बात की ओर इशारा करता है कि उस समय शादी की मंशा थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि दोनों के बीच निजी बातचीत में महिला ने खुद स्वीकार किया था कि वह आरोपी से प्रेम करती थी। इस आधार पर कोर्ट ने कहा कि यह संभावना भी हो सकती है कि दोनों के बीच शारीरिक संबंध केवल शादी के वादे पर ही नहीं बल्कि आपसी सहमति से बने हों। दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल याचिका के मुताबिक साल 2021 में दोनों के बीच संबंध शुरू हुए थे। बाद में आरोपी ने महिला के परिवार से शादी की बात की और दोनों परिवारों की सहमति से रोका भी हुआ तथा शादी की तारीख तय की गई।

तरणजीत सिंधू का ले.गवर्नर बनना सिख समुदाय के लिए गर्व का पल-हरमीत कालका

नई दिल्ली, 11 मार्च (अमृतपाल) दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका आज दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर के रूप में सरदार तरणजीत सिंह संधू के पदभार ग्रहण समारोह में विशेष रूप से शामिल हुए।

इस अवसर पर जारी बयान में सरदार हरमीत सिंह कालका ने कहा कि सरदार तरणजीत सिंह संधू के विशाल अनुभव, दूरदर्शी सोच और प्रशासनिक क्षमता के बल पर देश की राजधानी दिल्ली विकास और सुशासन के नए मानक स्थापित करेगी। उन्होंने कहा कि संधू की लंबी सेवा यात्रा उन्हें इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाने के लिए पूरी तरह सक्षम बनाती है।

कालका ने कहा कि यह केवल दिल्ली के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे सिख समुदाय के लिए भी अत्यंत गर्व और सम्मान का क्षण है कि सिख समुदाय की एक विशिष्ट शख्सियत देश की राजधानी में इस महत्वपूर्ण और जिम्मेदार पद पर सेवा देने जा रही है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरदार तरणजीत सिंह संधू अपने अनुभव, समर्पण और दूरदर्शी नेतृत्व से दिल्ली के विकास, प्रशासनिक पारदर्शिता और जनकल्याणकारी नीतियों को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

सरदार हरमीत सिंह कालका ने सरदार तरणजीत सिंह संधू को इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए दिल से बधाई देते हुए उनके कार्यकाल की सफलता और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उत्तम नगर हत्याकांड पर जेएनयू में एबीवीपी का प्रदर्शन

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) उत्तम नगर में तरुण कुमार की निर्मम हत्या पर एबीवीपी जेएनयू का गुस्सा फूटा है। छात्र कार्यकर्ताओं ने परिसर में पुतला दहन किया है। वहीं दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। दिल्ली के उत्तम नगर में होली के दिन हुई तरुण कुमार की बर्बर हत्या ने पूरी दिल्ली को हिलाकर रख दिया है। पानी के गुब्बारे से शुरू हुए छोटे विवाद में 26 साल के तरुण की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस घटना के खिलाफ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की जेएनयू इकाई ने सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर में साबरमती ढाबे के पास पुतला दहन किया और दोषियों के खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई की मांग की। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन में जोरदार नारेबाजी की और प्रशासन से कहा कि मामले की निष्पक्ष और तेज जांच होनी चाहिए। संगठन का कहना है कि यह सिर्फ एक व्यक्ति की मौत नहीं, बल्कि समाज की शांति, कानून व्यवस्था और इंसानियत पर बड़ा हमला है।

मानसून से पहले पीडब्ल्यूडी अलर्ट, दिल्ली में 2100 किमी नालों की सफाई और मरम्मत का आदेश

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) मानसून में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए लोक निर्माण विभाग ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। विभाग ने नालों की सफाई और मरम्मत के लिए संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए हैं। सरकार ने लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। मानसून के दौरान जलभराव की समस्या को देखते हुए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने नालों की सफाई के लिए अभी से निर्देश जारी कर दिए हैं। विभाग प्रमुख ने उन एजेंसियों को तैयारी शुरू करने को कहा है, जिन्हें पिछले वर्ष दो साल के लिए नालों की सफाई का काम दिया गया था। हाल ही में विभाग प्रमुख स्तर पर हुई बैठक में अधिकारियों को सरकार की उस चेतावनी से भी अवगत कराया गया, जिसमें लापरवाही मिलने पर सख्त कार्रवाई की बात कही गई है। विभाग ने नालों की सफाई और जहां जरूरत हो वहां मरम्मत कार्य भी जल्द शुरू करने के निर्देश दिए हैं। दिल्ली में मानसून के दौरान जलभराव की समस्या पिछले कई वर्षों से लगातार बढ़ती जा रही है। अब तक इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। इस दौरान अलग-अलग सरकारें बदलती रहीं और जलभराव रोकने के दावे भी किए जाते रहे। फिलहाल दिल्ली की भाजपा सरकार ने ड्रेनेज मास्टर प्लान लागू किया है। हालांकि इस योजना पर पूरी तरह अमल होने में समय लगने की संभावना है। इस योजना में लोक निर्माण विभाग, दिल्ली नगर निगम, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, नई दिल्ली नगर पालिका परिषद और दिल्ली छावनी बोर्ड सहित कई एजेंसियों को शामिल किया गया है। ये एजेंसियां अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में नालों का पुनर्निर्माण करेंगी। इसके लिए लगभग 57,000 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

भारत में चार करोड़ बच्चे मोटापे का शिकार तनाव बढ़ा रहा मोटापा और बिगाड़ रहा भोजन की आदतें

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) दक्षिणी दिल्ली के मालवीय नगर में दो बहनों की हत्या के मामले में प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अकेलापन और खराब पारिवारिक संबंध घटना का कारण हो सकते हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मां और बेटियों का परिवार से कम मेलजोल था, जिससे वे अवसादग्रस्त हो सकती थीं। मालवीय नगर के एफ ब्लॉक स्थित एक घर में दो बहनों के डबल मर्डर की आरंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि अकेलेपन और परिवार के सदस्यों के साथ खराब रिश्तों की वजह से यह घटना हुई होगी। पुलिस सूत्रों ने कहा कि महिला और उसकी बेटियों का परिवार के दूसरे सदस्यों से बहुत कम मिलना-जुलना होता था। वे ज्यादातर घर के ग्राउंड फ्लोर पर ही रहती थीं, बहुत कम बाहर निकलती थीं। जांच करने वालों का मानना है कि इस अकेलेपन की वजह से वे अवसाद से घिर गए थे। महिला का अभी भी अस्पताल में उपचार में चल रहा है और कोई बयान दर्ज नहीं किया गया। पुलिस आर्थिक दिक्कतों की भी जांच कर रही थी, पर उनके पति ने पुलिस को बताया कि वे ठीक से गुजारा कर रहे हैं। घटना की जानकारी बृहस्पतिवार को तब मिली जब पति सुधीर अरोड़ा शाम करीब पांच बजे घर लौटे और दरवाजा खटखटाते रहे, पर किसी ने नहीं खोला। वह घर के पीछे भी गए, लेकिन फ्लैट में अंदर नहीं जा सके। उन्होंने चाबी बनाने वालों से संपर्क करने की कोशिश की, पर पता चला कि वे दरवाजा नहीं खोल सकते। एक पड़ोसी ने बताया कि आस-पास के लोग भी आ गए और आधे घंटे बाद पुलिस से संपर्क किया गया। मालवीय नगर के फ्लैट में कुचले हुए नेफ्थलीन बॉल्स और इस्तेमाल की हुई क्रैप बैंडेज मिला है। पुलिस को शक है कि छोटी बेटी का क्रेप बैंडेज से गला घोंटा गया था। बड़ी बेटी का तकिये से मुंह दबाया गया था। पुलिस ने कहा कि उन्हें संघर्ष के निशान मिले हैं जो गला घोंटने के संकेत देते हैं। सूत्रों ने बताया कि नेफ्थलीन बाल्स के मिक्सचर का इस्तेमाल शायद बेटियों में से किसी एक को बेहोश करने के लिए किया गया था। यह भी हो सकता है कि मां ने भी इसे खा लिया हो। पुलिस सूत्रों ने आगे कहा कि हमें यही शक है। हम बहनों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट और इलाज करा रही महिला की मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

सीएम रेखा गुप्ता ने की पीड़ित परिजनों से मुलाकात

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) दिल्ली के उत्तम नगर में हुए तरुण हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 14 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें महिलाएं और नाबालिग भी शामिल हैं। वहीं सीएम रेखा गुप्ता ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात की और न्याय का भरोसा दिलाया। नई दिल्ली के उत्तम नगर में हुए चर्चित तरुण हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अब तक 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में महिलाएं भी शामिल हैं, जबकि दो नाबालिगों को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार अब तक की गिरफ्तारियां पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर की गई हैं। मामले की जांच के दौरान सभी आरोपियों की भूमिका की पुष्टि की जा रही है। घटनास्थल पर कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं होने के कारण पुलिस अन्य साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। पुलिस ने बताया कि दोनों परिवार पिछले करीब 50 वर्षों से इस इलाके में रह रहे हैं। दोनों मूल रूप से राजस्थान से आकर यहां बसे थे और एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं। मामले को लेकर सोशल मीडिया पर भी कई वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। इनमें से एक वीडियो में एक महिला मुसलमानों से आवाज उठाने की अपील करती हुई दिखाई दे रही है। पुलिस का कहना है कि ऐसे कई वीडियो भ्रामक तरीके से प्रसारित किए जा रहे हैं। इन सभी वीडियो की जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक फिलहाल इलाके में कानून-व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है और स्थिति नियंत्रण में है। अधिकारियों ने कहा कि जांच जारी है और जिसकी भी इस मामले में संलिप्तता पाई जाएगी, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री का समावेशी विकास पर जोर

पृष्ठ एक का शेष... दल आत्मनिर्भर भारत अभियान का मजाक उड़ाने में लगे हैं। इन्होंने देश को विदेशी देशों पर और भी ज्यादा निर्भर बना दिया है। आज ये सब मिलकर अफवाहें फैलाने में लगे हैं। यहां तक कि युद्धकाल में भी कांग्रेस, वामपंथी दल और उनके सहयोगी संगठन अपनी सारी ऊर्जा देश में दहशत फैलाने और संघर्ष पैदा करने में लगा रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा, हमें मत्स्य पालन में नई संभावनाओं को साकार करने और मछुआरों के जीवन स्तर में सुधार करने की आवश्यकता है। समुद्र से संबंधित अर्थव्यवस्था केवल पारंपरिक मछली पकड़ने तक ही सीमित नहीं है। मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में भी नए मौके उभर कर सामने आए हैं। केरल में आई विनाशकारी बाढ़ के दौरान पूरे देश ने मछुआरा समुदाय के प्रयासों को देखा। आपने फंसे हुए लोगों को बचाया और जरूरतमंदों तक आवश्यक सामग्री पहुंचाई। इसीलिए पूरा देश मछुआरा समुदाय के साहस, सेवा और समर्पण को सम्मानपूर्वक याद करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमारी सरकार ने मछुआरा समुदाय की क्षमता और नीली अर्थव्यवस्था में उनकी भूमिका को पहचाना है। भाजपा-एनडीए सरकार ने ही मत्स्य पालन के लिए एक अलग मंत्रालय का गठन किया है। उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत केरल के लिए लगभग 1400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। पीएम मोदी ने कहा, समुद्र में जाने वाले मछुआरों की सुरक्षा भी हमारे लिए महत्वपूर्ण है। पहले हमारे मछुआरे भाई-बहन खुले समुद्र में जाते थे, तब उनके घरवाले उनके वापस आने तक चिंता और डर में डूबे रहते थे, क्योंकि समुद्र में मौसम को लेकर हमेशा आशंकाएं बनी रहती थीं।

अविश्वास प्रस्ताव खारिज

पृष्ठ एक का शेष...

नहीं करते, प्रियंका जी भी नहीं करतीं।

सरकार ने देश को हाईजैक किया- वेणुगोपाल-वेणुगोपाल बोले- सरकार ने देश को हाईजैक किया है। ये देश की संस्थाओं का गलत यूज कर रहे हैं। ईडी, सीबीआई और दूसरी जांच एजेंसियों का गलत यूज कर रहे हैं। ये स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव नहीं है। ये देश और सदन की डिग्निटी बचाने का प्रस्ताव है। वेणुगोपाल ने कहा- देश के पीएम सदन में क्यों नहीं है। वे स्पीकर के अविश्वास प्रस्ताव पर बोलने के लिए क्यों नहीं आए हैं। हमारे पीएम नेहरू हमेशा सदन में मौजूद रहते थे। आज पीएम मोदी कहां है ।वेणुगोपाल बोले- एलओपी को एपस्टीन फाइल्स पर नहीं बोलने दिया गया, इंडिया-यूएस ट्रेड पर नहीं बोलने दिया गया। सरकार ने सरेंडर क्यों किया है। अमेरिका कहता है कि भारत रूस से 30 दिन तक पेट्रोल ले सकता है क्या है सरेंडर करना नहीं है। भारत के पीएम उनसे आदेश क्यों ले रहे हैं। वेणुगोपाल ने कहा- नेता विपक्ष पार्लियामेंट्री सिस्टम का हिस्सा हैं। जब वह खड़े होते हैं, जब वह बोलते हैं तो उन्हें सुना जाता है। लेकिन वह जब भी खड़े होते हैं तो उनका माइक बंद कर दिया जाता है। ऐसे कैसे हो सकते है ।विपक्ष के नोटिस में कई गलतियां, स्पीकर ने ठीक कराईं- शाह

अमित शाह ने कहा, स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव के नोटिस में 2026 की जगह 2025 लिखा था। जब विपक्ष के ध्यान में लाया गया तो उन्होंने नोटिस वापस ले लिया। दूसरे नोटिस में सिर्फ गौरव गोगई के रियल साइन थे। सभी विपक्षी सांसदों को जेरोक्स साइन थे।

संक्षिप्त समाचार

यूईआर -2 के कारण द्वारका के हाथी चौक पर लगने वाला जाम कम करने की तैयारी

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) दिल्ली में अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 (यूईआर-2) बनने के बाद सुबह और शाम के समय द्वारका के हाथी चौक, भरथल चौक और धूल सिरस चौक पर जाम की समस्या बढ़ गई है। इसमें से हाथी चौक पर मौजूद कमी को एनएचएआई द्वारा लालबत्ती दिल्ली में अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 (यूईआर-2) बनने के बाद सुबह और शाम के समय द्वारका के हाथी चौक, भरथल चौक और धूल सिरस चौक पर जाम की समस्या बढ़ गई है। इसमें से हाथी चौक पर मौजूद कमी को एनएचएआई द्वारा लालबत्ती लगाकर दूर किया जा रहा है, ताकि यहां जाम खत्म हो सके। जानकारी के अनुसार, यूईआर-2 बनने से दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट से लेकर बवाना एवं अलीपुर तक का सफर आसान हो गया है, लेकिन द्वारका सेक्टर-21 मेट्रो स्टेशन के पास मौजूद हाथी चौक पर इसकी वजह से रोजाना लंबा जाम लग रहा है। बवाना से आते समय वाहन चालक जब यूईआर-2 से हाथी चौक पर उतरते हैं तो उन्हें आगे जाने का रास्ता नहीं मिलता है। उन्हें लगभग 300 मीटर आगे द्वारका सेक्टर-21 मेट्रो स्टेशन के पास से यू-टर्न लेकर जाना पड़ता है। उस जगह कम चौड़ी सड़क होने के चलते लंबा जाम लग जाता है। इससे बचने के लिए यूईआर-2 से उतरने के बाद वाहन चालक गलत दिशा से समालखा के लिए निकलते हैं। इससे हादसे होते हैं। ट्रैफिक पुलिस द्वारा इस कमी की ओर एनएचएआई को अवगत कराया गया। इसके बाद एनएचएआई ने हाथी चौक पर वाहन चालकों के लिए सीधे समालखा जाने का रास्ता बनाना शुरू कर दिया है।

दिल्ली के नांगलोई में बेकाबू हुई डीटीसी बस सड़क पर लोगों को कुचला

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) दिल्ली के नांगलोई में एक दर्दनाक डीटीसी बस हादसे में रविकांत शर्मा की मौत हो गई और 4 अन्य घायल हो गए। बस ने ई-रिक्शा और स्कूटर को टक्कर मारी थी। घटना से गुस्साए स्थानीय लोगों ने विरोध स्वरूप ष्ठञ्जष्ट बस में आग लगा दी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच कर रही है। दिल्ली के नांगलोई में डीटीसी बस की टक्कर से तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद गुस्सा लोगों ने बस में आग लगा दी। हादसा तेज रफ्तार की वजह से हुआ है। बस ने पहले ई-रिक्शा का चक्कर मारी फिर स्कूटी सवार को कुचल दिया। एक मृतक की पहचान कर ली गई है, जिसका नाम रविकांत शर्मा बताया जा रहा है। वहीं हादसे में 4 अन्य लोग घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने बस में आग लगा दी। हादसे का वीडियो भी सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, बस ने ई-रिक्शा और स्कूटर में सवार को जोरदार टक्कर मार दी। एक्सीडेंट के बाद, गुस्साए स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए और डीटीसी बस में आग लगा दी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और घटना की जांच की जारी है।

अमृतपाल सिंह प्रिंटर, पब्लिशर व संपादक ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए आईजी प्रिंटर्स प्रा.लिमि., 104, डीएसआईडीसी, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 के मालिक/कीपर जगपाल सिंह से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा 24/34 तिलक नगर नई दिल्ली से प्रकाशित किया।

PRGI (RNI) Regd. No.57282/1994

किसी को धमकाकर उससे एक रुपये लेना भी वसूली का अपराध - दिल्ली कोर्ट

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने जबरन वसूली से जुड़े 15 वर्ष पुराने मामले में कहा है कि किसी व्यक्ति को डरा-धमकाकर उससे एक रुपये भी लिया जाए तो वह उगाही का अपराध माना जाएगा। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने जबरन वसूली से जुड़े 15 वर्ष पुराने एक मामले में कहा है कि किसी व्यक्ति को डरा-धमकाकर उससे एक रुपये भी लिया जाए तो वह उगाही का अपराध माना जाएगा। न्यायिक मजिस्ट्रेट अंकित गर्ग की अदालत ने कहा कि जबरन वसूली का अपराध तब माना जाता है, जब किसी व्यक्ति को चोट या नुकसान का डर दिखाकर उससे पैसे या संपत्ति हासिल की जाती है। इसके लिए वसूली गई राशि का सटीक मिलान या पूरी रकम की बरामदगी अनिवार्य शर्त नहीं है। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने इस मामले के दो आरोपियों को दोषी ठहराया है। साथ ही एक महिला आरोपी को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया है। अदालत ने कहा कि इस अपराध की गंभीरता को सिद्ध करने के लिए सबसे मौलिक और अनिवार्य प्रश्न केवल यह है कि क्या पैसे का लेन-देन आरोपी द्वारा पैदा किए गए खौफ की वजह से हुआ था और यदि पीड़ित की गवाही इस पर अडिग रहती है तो आरोपी को दोषी ठहराने के लिए वह पर्याप्त है। सभी साक्ष्यों और परिस्थितियों पर विचार करने के बाद अदालत ने मयंक मिश्रा और संजीव कुमार को दोषी ठहराया, जबकि अर्चना को बरी कर दिया। यह मामला दिसंबर 2011 में नारायणा थानाक्षेत्र का है। मेरा मेडिकोज मेडिकल स्टोर चलाने वाले संदीप तंवर को एक सोची-समझी साजिश के तहत शिकार बनाया गया। मामले के मुख्य आरोपी मयंक मिश्रा ने पहले एक ग्राहक बनकर दुकान से दवा खरीदी और फिर बाद में फर्जी स्टिंग की सीडी लेकर दुकान पहुंचा, जिसमें दुकान के अंदर की रिकॉर्डिंग थी।

दिल्ली पुलिस ने किया रुद्रप्रयाग डबल मर्डर का खुलासा आरोपी दीपक गिरफ्तार

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) यह मामला 6 मार्च 2026 का है। पुलिस ने आरोपी को उस समय पकड़ा गया है जब वह नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से मुंबई जाने के लिए ट्रेन पकड़ने की कोशिश कर रहा था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में हुए सनसनीखेज डबल मर्डर केस के आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान दीपक बहादुर के रूप में हुई है, जो नेपाल का रहने वाला है। आरोपी को पुलिस ने उस समय पकड़ा है जब वह नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से मुंबई जाने के लिए ट्रेन पकड़ने की कोशिश कर रहा था। जानकारी के मुताबिक यह मामला 6 मार्च 2026 का है। रुद्रप्रयाग जिले के तिलवाड़ा गांव के रहने वाले योगेंद्र लाल ने पुलिस को सूचना दी कि दीपक बहादुर कई दिनों से अपने किराए के कमरे से दिखाई नहीं दे रहा है और कमरे से तेज बदबू आ रही है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे का दरवाजा खोलकर जांच की। अंदर एक महिला और उसकी 9 साल की बेटी के शव मिले। दोनों की मौत कई दिन पहले हो चुकी थी। जांच के दौरान पता चला कि दीपक बहादुर उस महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। महिला और उसकी बेटी के शव मिलने के बाद से ही वह फरार था, जिससे पुलिस को उस पर शक हुआ। इसके बाद रुद्रप्रयाग थाने में हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। दिल्ली पुलिस ने टेक्निकल निगरानी और लगातार तलाश के बाद आरोपी की लोकेशन दिल्ली के आजादपुर मंडी इलाके में मिली। इसके बाद उत्तराखंड पुलिस ने दिल्ली पुलिस के नॉर्थ-वेस्ट जिले की स्पेशल स्टाफ टीम से संपर्क किया। दिल्ली पुलिस की टीम ने इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और लगातार सर्च ऑपरेशन चलाकर आरोपी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास से पकड़ लिया। दिल्ली पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसकी महिला से फेसबुक पर पहचान हुई थी। बाद में दोनों साथ रहने लगे थे। कुछ समय बाद उसे शक हुआ कि महिला किसी और व्यक्ति के संपर्क में है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ और गुस्से में उसने महिला और उसकी 9 साल की बेटी की हत्या कर दी। गिरफ्तारी के बाद दिल्ली पुलिस ने आरोपी को आगे की कार्रवाई के लिए उत्तराखंड पुलिस के हवाले कर दिया है। मामले की जांच अभी जारी है।

मालवीय नगर में मणिपुर की युवती पर आपत्तिजनक टिप्पणी और हमला

नई दिल्ली 11 मार्च (निस) दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में मणिपुर की युवती के साथ दुर्व्यवहार के मामले में पुलिस ने चार नाबालिगों को हिरासत में लिया है। आरोप है कि इन लोगों ने दो लड़कियों पर अपशब्द टिप्पणी करते हुए उन पर हमला कर दिया था। दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में एक बार फिर नॉर्थ-ईस्ट की युवती के साथ दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। दरअसल, रविवार शाम साकेत कोर्ट के पास मणिपुर की रहने वाली एक युवती अपनी सहेली के साथ टहल रही थी, तभी उन पर कुछ लड़कों ने आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए हमला कर दिया। इस हमले में दोनों लड़कियां घायल हो गईं। अब पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए चार नाबालिगों को हिरासत में लिया है। मणिपुर की रहने वाली युवती अपनी सहेली के साथ साकेत कोर्ट के पास टहल रही थी, तभी रास्ते से गुजर रहे कुछ लड़कों पर उन पर आपत्तिजनक टिप्पणी करना शुरू कर दिया। शुरू में तो दोनों युवतियों ने लड़कों को नजरअंदाज करने की कोशिश की, लेकिन बार-बार की जा रही टिप्पणी का जब उन्होंने विरोध किया तो मामला काफी बढ़ गया।